WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

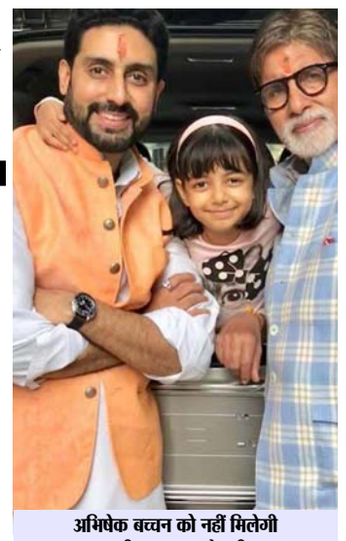

अभिषेक बच्चन को नहीं मिलेगी अभी अस्पताल से छुट्टी

वर्षः 01 अंक : 231 | लखनऊ, रविवार, 09 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

यूपी में बढ़ रहे कोरोना के केस, एक दिन में आए रेकॉर्ड 4800 नए केस

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में कोरोना के मामले थमते नजर नहीं आ रहे। शनिवार को कोरोना के रेकॉर्ड 4800 नए केस दर्ज किए गए। यह एक दिन पहले की संख्या 4658 से ज्यादा है। हालांकि मरने वालों की संख्या में कमी देखी गई। शनिवार को पिछले 24 घंटों में यूपी में कोरोना से 47 लोगों की मौत हुई। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में फिलहाल कोरोना के 46177 सक्रिय मामले हैं, 69833 कोरोना मरीज डिस्चार्ज किए जा चुके हैं और 2028 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में कोरोना के अब तक कुल 1,18,038 केस दर्ज किए गए हैं। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में कुल 10015 हॉट स्पॉट में 14,64,244 मकानों में 88,21,000 लोग चिन्हित हैं। इन हॉट स्पॉट के इलाकों में 38739 लोगों को चिन्हित करके उनमें से 18951 लोगों को इंस्टिट्यूशनल क्वारंटीन में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि टेस्टिंग में हम सिर्फ एक राज्य तमिलनाडु से पीछे हैं जो हमसे 2 लाख टेस्ट से आगे हैं। अगर इसी रेट से हमारी टेस्टिंग चलती रही तो हम उनसे भी आगे हो जाएंगे।

महाराष्ट्र में कोरोना के 12,822 नये मामले, पांच लाख से अधिक संक्रमित

देश में कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान 12,822 रिकॉर्ड नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या शनिवार की रात बढ़कर पांच लाख के पार पहुंच गयी लेकिन राहत की बात यह है कि इस दौरान 11,081 मरीजों के स्वस्थ होने से 3.38 लाख से अधिक लोग संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य में अब तक 5,03,084 लोग इस महामारी की चपेट में आए हैं। इस दौरान 275 और लोगों की इससे मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 17,367 हो गयी है। राज्य में इस अवधि में स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 3,38,262 हो गयी है। राज्य में मरीजों के स्वस्थ होने की दर आज आशिक वृद्धि के साथ बढ़ कर 67.26 फीसदी पहुंच गई जबकि मरीजों की मृत्यु दर भी घटकर 3.49 प्रतिशत पर आ गई। सूत्रों के मुताबिक राज्य में कुल सक्रिय मामलों की संख्या आज 1,47,048 रही जो शुक्रवार को 1,45,889 रही थी। सभी मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। महाराष्ट्र पूरे देश में कोरोना संक्रमण और मौत के मामले में पहले स्थान पर है।

कोरोना संक्रमितों की संख्या 21 लाख के पार

देश में कोरोना संक्रमण की दिनोंदिन बिगड़ती स्थिति के बीच शनिवार की देर शाम संक्रमितों की संख्या 21 लाख के पार हो गयी और मृतकों की संख्या 42,798 पर पहुंच गयी। राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 21,841 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 21,08,705 हो गयी। इस दौरान अब तक सक्रिय मामलों में 3178 की बढ़ोतरी के साथ यह 6,22,266 हो गयी है। राहत की बात यह है कि इस दौरान 15,514 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 14,43,183 लाख पर पहुंच गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण के 61,537 मामले आने से इनकी संख्या 20,88,612 हो गयी थी। शुक्रवार को 62,538 मामले सामने आये थे। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर 68.32 प्रतिशत पर पहुंच गयी है।

यौन उत्पीड़न मामला, बच्ची की हालत नाजुक

नई दिल्ली, एजेंसी। शारीरिक प्रताड़ना और यौन उत्पीड़न का शिकार हुई 12 वर्षीय बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बच्ची को बृहस्पतिवार रात को अस्पताल के न्यूरो सर्जरी आईसीयू में स्थानांतरित किया गया। अस्पताल के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी से कहा, फ्उसकी हालत नाजुक है और वह वेंटिलेटर पर है। उसे न्यूरो सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है लेकिन उसके प्लेटलेट कम हैं। उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है। उसके सिर पर गंभीर चोट आई हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने फोन पर बच्ची के माता पिता और डॉक्टर से बात की है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, यौन उत्पीड़न का शिकार हुई 12 वर्षीय बच्ची के डॉक्टरों और माता पिता से मैंने फोन पर बात की है। कल अस्पताल जाकर मैंने बच्ची का हालचाल लिया था। वह जिंदगी और मौत से जूझ रही है। डॉक्टर पूरी कोशिश कर रहे हैं। कृपया उसके लिए प्रार्थना करें। इस बीच पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

लगातार दूसरे दिन 61 हजार से अधिक नये मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण की दिनोंदिन बिगड़ती स्थिति के बीच लगातार दूसरे दिन 61 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 20189 लाख हो गयी है और 933 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 42,518 पर पहुंच गयी है। स्वस्थ होने वालों की दर में निरंतर हो रही वृद्धि के बावजूद संक्रमण के नये मामले बढ़ने से देश में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 11,704 की बढ़ोतरी हुई जिससे इनकी संख्या 6,19,088 हो गयी है। राहत की बात यह है कि इस दौरान 48,900 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 14,27,006 लाख पर पहुंच गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण के 61,537 मामले आने से इनकी संख्या 20,88,612 हो गयी है। शुक्रवार को 62,538 मामले सामने आये थे। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर 68132 प्रतिशत पर पहुंच गयी है और मृत्यु दर 2104 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या 723 कम होने से सक्रिय मामले 1,45,889 हो गये तथा 300 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 17,092 हो गया। इस दौरान 10,906 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,27,281 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 2488 बढ़ने से सक्रिय मामले 84,654 हो गये हैं। राज्य में अब तक 1842 लोगों की मौत हुई है, वहीं 7,594 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 1,20,464 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 2618 बढ़ी है और यहां अब 77694 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 101 बढ़कर 2998 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 84232 लोग स्वस्थ हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 909 बढ़ी है जिससे 44563 सक्रिय मामले हो गये हैं तथा इस महामारी से 1981 लोगों की मौत हुई है जबकि 66,834 मरीज ठीक हुए हैं। सक्रिय मामलों में इसके बाद बिहार का स्थान है, जहां यह संख्या 26453 हो गयी है। राज्य में 369 लोगों की मौत हुई है जबकि 44482 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं। देश के पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 24652 सक्रिय मामले हैं तथा 1,954 लोगों की मौत हुई है।

भारत को दहलाने की थी साजिश लश्कर के 6 आतंकी गिरफ्तार

जम्मू में आतंकी फंडिंग मॉड्यूल का पर्दाफाश

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी आज हासिल हुई है। पुलिस ने जम्मू में आतंकी फंडिंग मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और अब तक 6 आतंकवादियों को गिरफ्तार भी किया गया है। बताया जा रहा है आतंकवादी भारत को दहलाने की साजिश रच रहे थे। आईजी मुकेश सिंह ने बताया, जम्मू में एक टेरर फाइनैंसिंग नेटवर्क जो लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को पैसे पहुंचने की कोशिश कर रहा है, इस खबर पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप जम्मू ने मुदासिर फारूक भट से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने लश्कर के साथ अपने संबंधों को स्वीकारा। जम्मू पुलिस महानिरीक्षक ने बताया, हमारे पास 15 अगस्त को लेकर किसी भी आतंकी गतिविधि योजना के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं है, लेकिन हां यह फिर से सक्रिय करने का प्रयास था और शायद, वे भविष्य में कुछ बड़ा करने की योजना बना रहे थे। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया, हमने एमएफ भट्ट से अधिक जानकारी एकत्र की और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 5 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया। जिन आर्तकियों को गिरफ्तार किया गया है उसमें, तौकीर अहमद भट, आसिफ भट, खालिद लतीफ भट, गाजी इकबाल और तारिक हुसैन मीर शामिल हैं।

बसपा विधायकों ने नोटिस मिलने के बाद उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी के छह विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने के बारे में उच्च न्यायालय के नोटिस के बाद इन विधायकों ने मामले को उच्चतम न्यायालय में स्थानांरित करने की आज याचिका दायर की। उच्च न्यायालय के नोटिस के तामील होने के बाद इन विधायकों ने आज सर्वोच्च न्यायालय की शरण ली है। उच्च न्यायालय ने पांच अगस्त को बसपा से कांग्रेस में शामिल होने की चुनौती देने वाली याचिका पर इन विधायकों को नोटिस जारी करके आठ अगस्त तक तामील करवाने के आदेश दिये थे। उच्च न्यायालय ने बसपा से कांग्रेस में शामिल होने के विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी के फैसले पर रोक लगाने के लिये प्रार्थना पत्र पर 11 अगस्त को सुनवाई करके फैसला देने का एकल पीठ को निर्देश दिये हैं। इस मामले की सुनवाई 11 अगस्त को उच्च न्यायालय में की जानी है, लेकिन इसके पहले ही इन विधायकों ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर लिया।

बाहरी और अंदरूनी चुनौतियों से एकजुटता से लड़ना होगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बाहरी और भीतरी चुनौतियों से एकजुटता से लड़ने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि यदि हम इकट्ठे रहे तो खड़े रहेंगे और बंट गए तो गिर जाएंगे। श्री नायडू ने भारत छोड़ो आंदोलन आठ अगस्त 1942 की वर्षगांठ पर लिखे एक लेख में कहा कि आगे का रास्ता पिछले 1000 वर्षों के अपमानित अनुभव हमें भविष्य की नई राह दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि पहला सबक यह है कि यदि 'हम इकट्ठे रहे तो खड़े रहेंगे, बंट गए तो गिर जाएंगे।' अंदरूनी तथा बाहरी चुनौतियों तथा हमलों के खिलाफ हमें एकजुट होकर लडना है। हमें समानता तथा सबके लिए एक जैसे मौकों को तलाशना होगा। हमें प्रत्येक भारतीय को सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि हम अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष को मनाने के निकट हैं, हम अपनी शक्ति को समझें और एक संयुक्त तथा प्रगतिशील भारत का निर्माण करें। श्री नायडू ने कहा कि आधुनिक भारत के इतिहास में अगस्त महीने का विशेष स्थान है। स्वतंत्रता संग्राम का स्वाद 15 अगस्त 1947 को चखा गया। इससे पांच वर्ष पूर्व भारत छोड़ो आंदोलन का बिगुल महात्मा गांधी ने आठ अगस्त को 'करो या मरो' के नारे के साथ फूंका। इस माह की पांच तारीख को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू हुआ।

डीजीसीए की जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा करें: पुरी

कोझिकोड, एजेंसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि करीपुर विमान हादसे को लेकर किसी निष्कर्ष पर तब तक नहीं पहुंचना चाहिए जब तक कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय(डीजीसीए) की जांच अथवा ब्लैकबॉक्स के जरिये दुर्घटना के कारणों का खुलासा ना हो जाए। श्री पुरी ने यहां हवाई अड्डा परिसर पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जांच के बाद ही वास्तविक तथ्यों का खुलासा हो सकेगा और परिचालन में कोई कमी होगी तो उसका भी पता चलेगा। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दुर्घटना में सीमित नुकसान के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बचाव कार्य में जी-जान से जुटे सभी अधिकारियों और स्वयंसेवकों और अधिकारियों को घायलों के लिए तात्कालिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया।

आकांक्षी जिलों पर ध्यान केंद्रित करें उद्योग: नितिन गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने कारोबारियों से अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने का आग्रह करते हुए शनिवार को कहा कि उद्योगों को 115 आकांक्षी जिलों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्री गडकरी ने भारतीय उद्योग परिसंघ के इंडिया एट 75 समिट- मिशन 2022 को वीडियो के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि देश के 115 आकांक्षी जिलों में छोटे उद्योगों को तत्काल बढ़ावा देना जरूरी है। इन जिलों का अर्थव्यवस्था में योगदान नगण्य है, लेकिन यदि इन पर ध्यान दिया जाये तो इनमें व्यापक संभावनायें मौजूद हैं। इन जिलों में निवेश करके रोजगार के भारी अवसर पैदा किये जा सकते हैं। श्री गडकरी ने कहा कि सरकार छोटे उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने के लिए एक योजना पर काम कर रही है, इससे विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों को लाभ होगा। उन्होंने उद्योगों से अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए सलाह और सुझाव देने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार ने का पूरा सहयोग करेगी।

चीनी घुसपैठ के डॉक्यूमेंट्स हटाने पर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा, कहा

जब-जब देश हुआ भावुक, गायब हुईं फाइलें

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में चीन की घुसपैठ का उल्लेख करने वाली रिपोर्ट को रक्षा मंत्रालय द्वारा अपनी वेबसाइट से हटाए जाने को लेकर राहुल गांधी ने शनिवार (8 अगस्त) को मोदी सरकार पर हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने इसे केंद्र का लोकतंत्र विरोधी प्रयोग बताया। राहुल ने इस ओर भी इशारा किया है कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। इससे पहले माल्या और राफेल से जुड़े मामलों में भी फाइलें गायब हुईं हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ÷जब जब देश भावुक हुआ, फाइलें गायब हुईं। माल्या हो या राफेल, मोदी या चोक्सी... गुमशुदा लिस्ट में लेटेस्ट हैं चीनी अतिक्रमण वाले दस्तावेज़। ये संयोग नहीं, मोदी सरकार का लोकतंत्र-विरोधी प्रयोग है। इससे पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि वेबसाइट से दस्तावेज हटाने से तथ्य नहीं बदलने वाले हैं। उन्होंने बीते गुरुवार को ट्वीट किया था, चीन के खिलाफ खड़े होना तो छोड़िए, भारत के प्रधानमंत्री में उसका नाम लेने में भी साहस की कमी दिखी। वेबसाइट से दस्तावेज हटाने से तथ्य नहीं बदलने वाले हैं। इससे पहले कांग्रेस ने भी बीते 6 अगस्त को सरकार से सवाल किया था कि रक्षा मंत्रालय ने पूर्वी लद्दाख में चीन की घुसपैठ का उल्लेख करने वाली रिपोर्ट अपनी वेबसाइट से क्यों हटाई है। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अजय माकन ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक में कहा था कि भारत की सीमा में घुसपैठ नहीं हुई और हमारी किसी चौकी पर कब्जा नहीं हुआ है, लेकिन रक्षा मंत्रालय अपनी रिपोर्ट में कहता है कि चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की है तथा यह गतिरोध लंबे समय तक चलने वाला है। उन्होंने सवाल किया, रिपोर्ट वेबसाइट से क्यों हटाई गई? हम जानने चाहते हैं कि सचाई क्या है?÷ माकन ने कहा, सरकार बताए कि वह चीन के साथ कैसे निपटेगी और वास्तविक स्थिति क्या है। देश की जनता को यह जानने का हक है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड उस दस्तावेज को बृहस्पतिवार (6 अगस्त) को हटा लिया जिस पर आधारित एक खबर अखबार में प्रकाशित हुई।

मोदी आज 1 लाख करोड़ रुपये की वित्त पोषण सुविधा का शुभारंभ करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में पीएम किसान योजना के तहत 8.5 लाख करोड़ किसानों को छठी किस्त के रूप में 17,000 करोड़ रुपये जारी करेंगे। मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 11 बजे इस कार्यक्रम में भाग लेंगे और देश भर के लाखों किसान, सहकारी समितियां और नागरिक इस अवसर का गवाह बनेंगे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि अवसंरचना कोष के तहत एक लाख करोड़ रुपये की वित्त पोषण की सुविधा के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना (सेंट्रल सेक्टर स्कीम) को मंजूरी दे दी है। इस एक लाख करोड़ रुपये के एग्री इंफ्रा फंड का इस्तेमाल ग्रामीण क्षेत्र में कृषि क्षेत्र से जुड़ा बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) तैयार करने में मदद मिलेगी। इस फंड से ग्रामीण क्षेत्र में कोल्ड स्टोर, वेयरहाउस, प्रसंस्करण इकाई आदि को स्थापित करने के लिए ऋण प्रदान किया जाएगा। ये परिसंपत्तियां किसानों को उनकी उपज के लिए अधिक मूल्य प्राप्त करने में सक्षम करेंगी, क्योंकि इससे वे उच्च मूल्यों पर भंडारण और बिक्री कर सकते हैं, अपव्यय को कम कर सकते हैं, और प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में वृद्धि करने में भी सफल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि कई ऋण संस्थानों के साथ साझेदारी में वित्तपोषण सुविधा के तहत 1 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए जाएंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में से 11 ने पहले ही कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग (डीएसी एंड एफडब्ल्यू) के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं की व्यवहार्यता को बढ़ाने के लिए लाभार्थियों को दो करोड़ रुपये तक की तीन प्रतिशत ब्याज उपदान और क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाएगी।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पढ़ने, पढ़ाने की प्रक्रिया में आएंगे मूल बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत स्कूल में पढ़ने और पढ़ाने की प्रक्रिया में कई मूल बदलाव होंगे। स्कूली छात्रों की पाठ्य पुस्तकों में भी कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जहां एक ओर छात्रों को नए पाठ्यक्रम के अंतर्गत सीखने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे, वहीं शिक्षकों को भी पढ़ाई के नए तौर-तरीके अपनाने होंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा, स्कूल की पाठ्य पुस्तकों में भी बदलाव किया जाएगा। जहां संभव हो, शिक्षकों के पास भी तय पाठ्य-पुस्तकों में अनेक विकल्प होंगे। उनके पास अब ऐसी पाठ्य पुस्तकों के अनेक सेट होंगे, जिसमें अपेक्षित राष्ट्रीय और स्थानीय सामग्री शामिल होगी। इसके चलते वे ऐसे तरीके से पढ़ा सके जो उनकी अपनी शिक्षण शास्त्रीय शैली और उनके छात्रों की जरूरत के मुताबिक हो। निशंक ने कहा, शिक्षा नीति में स्कूल पाठ्यक्रम के बोझ में कमी, बढ़े हुए लचीलेपन और रटकर सीखने के बजाय रचनात्मक तरीके से सीखने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक-राष्ट्र, एक-डिजिटल मंच के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय हर छात्र को सीखने की प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास करेगा। प्रत्येक छात्र को कनेक्टिविटी और शिक्षा के माध्यम तक पहुंच दिलाने की कोशिश की जाएगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई नई शिक्षा नीति के अंतर्गत स्कूली शिक्षा में बड़े बदलाव किए गए हैं। स्कूली शिक्षा के लिए एक नई विकास-उपयुक्त पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना की गई है। इसके तहत छात्रों को चार विभिन्न वर्गों में बांटा गया है। पहले वर्ग में 3 से 6 वर्ष वर्ष वर्ष की आयु के छात्र होंगे, जिन्हें प्री-प्राइमरी या प्ले स्कूल से लेकर कक्षा दो तक की शिक्षा दी जाएगी। उसके उपरांत कक्षा 5 से 8 और फिर अंत में 4 वर्षों के लिए 9 से लेकर 12वीं तक के छात्रों को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक कार्यक्रम बनाया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, पाठ्यक्रम लचीलेपन पर आधारित होगा, ताकि शिक्षार्थियों को अपने सीखने की गति और कार्यक्रमों को चुनने का अवसर हो। इस तरह जीवन में अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुसार वे अपने रास्ते चुन सकेंगे। कला और विज्ञान, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों, व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं आदि के बीच कोई भेद नहीं होगा।

पीएम मोदी ने दिया नया नारा, गंदगी भारत छोड़ो, बोले

कमजोर बनाने वाली बुराइयां भागें, इससे अछा और क्या

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वछ भारत अभियान के तहत बनाए गए राष्ट्रीय स्वछता केंद्र का उद्घाटन किया। महात्मा गांधी को समर्पित किए गए इस केंद्र में लोगों को स्वछ भारत मिशन की सफलता और स्वछता के फायदों के बारे में बताया जाएगा। राष्ट्रीय स्वछता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने बचों से संवाद किया और उन्हें स्वछता की लड़ाई में अपनी सेना बताया। महात्मा गांधी ने आज के ही दिन आजादी की लड़ाई का आंदोलन शुरू करते हुए अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया था। इसी तर्ज पर पीएम मोदी ने भी गंदगी भारत छोड़ो का नया नारा दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी जी का अभियान था- अंग्रेजों भारत छोड़ो। अब हम लोग अभियान चला रहे हैं- गंदगी भारत छोड़ो। देश को कमजोर बनाने वाली बुराइयां भारत छोड़ें, इससे अछा और क्या होगा। इसी सोच के साथ पिछले छह वर्षों से देश में एक व्यापक भारत छोड़ो अभियान चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा- गरीबी-भारत छोड़ो... खुले में शौच की मजबूरी-भारत छोड़ो... पानी के दर-दर भटकने की मजबूरी- भारत छोड़ो... भ्रष्टाचार की कुरीति- भारत छोड़ो..! प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत छोड़ो के ये सभी संकल्प स्वराज से सुराज की भावना के अनुरूप हैं। आइए आज से 15 अगस्त तक यानि स्वतंत्रता दिवस तक देश में एक हफ्ते का लंबा अभियान चलाएं। स्वराज के सम्मान का सप्ताह यानि गंदगी भारत छोड़ो सप्ताह... इस दौरान पीएम मोदी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई को भी मजबूती से जारी रखने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि साफ सफाई और स्वछता कोरोना से लड़ाई में काम आने वाला एक बड़ा हथियार है।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे गंगा जी की निर्मलता को लेकर हमें उत्साहजनक परिणाम मिल रहे हैं, वैसे ही देश की दूसरी नदियों को भी हमें गंदगी से मुक्त करना है। यहां पास में ही यमुना जी हैं। यमुना जी को भी गंदे नालों से मुक्त करने के अभियान को हमें तेज करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वछ भारत अभियान से देश के बचे-बचे में पर्सनल और सोशल हाइजीन को लेकर जो चेतना पैदा हुई है। इसका बहुत बड़ा लाभ कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भी हमें मिल रहा है। आप कल्पना कीजिए, यदि कोरोना जैसी महामारी 2014 से पहले आती, तो क्या स्थिति होती। पीएम मोदी ने कहा, गांधी जी कहते थे... स्वराज सिर्फ साहसी और स्वछ जन ही ला सकते हैं। स्वछता और स्वराज के बीच के रिश्ते को लेकर गांधी जी इसलिए आश्वस्त थे क्योंकि उन्हें यकीन था कि गंदगी यदि सबसे यादा नुकसान किसी का करती है, तो वो गरीब है। जबतक जनता में आत्मविश्वास पैदा नहीं होता, तबतक वो आजादी के लिए खड़ी कैसे हो सकती था इसलिए, साउथ अफ्रीका से लेकर चंपारण और साबरमती आश्रम तक, उन्होंने स्वछता को ही अपने आंदोलन का बड़ा माध्यम बनाया।

इंदिरा नगर में हल छठ की खरीदारी करते लोग।

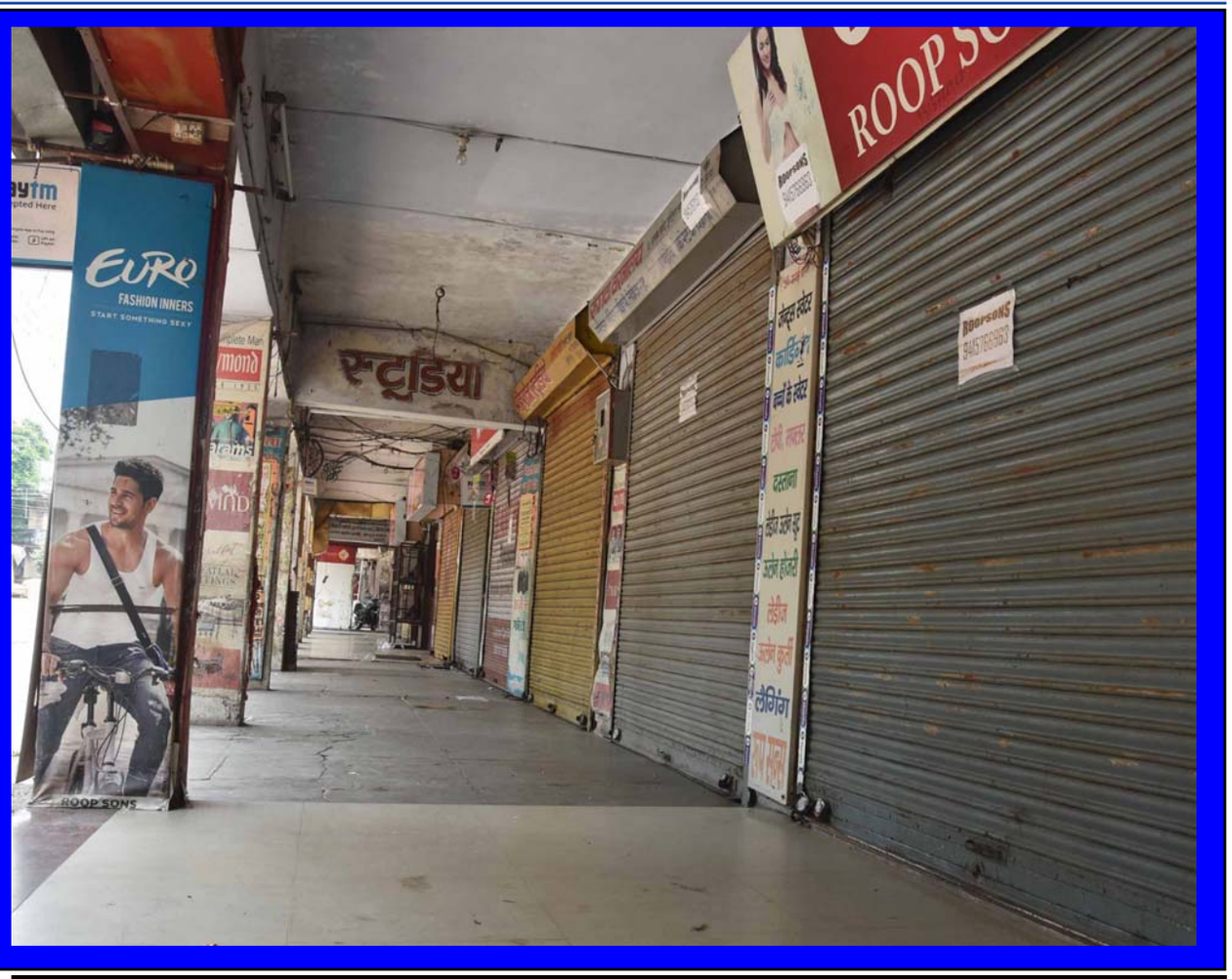

इंदिरा नगर में भूतनाथ मार्केट पर बंद दुकाने

पिछले दो महीने से जनेश्वर मिश्र पार्क से गायब है राष्ट्रीय ध्वज, एलडीए बना रहा बहाने

लखनऊ, संवाददाता। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिल में राष्ट्रप्रेम हिलोरे लेने लगता है और सिर सम्मान में झुक जाता है। लेकिन ऐसा लगता है कि लखनऊ विकास प्राधिकारण के लिए तिरंगा एक सामान्य कपड़े से ज्यादा कुछ नहीं है। राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में पूर्ववर्ती सपा सरकार के दौरान लगाए गए 207 फुट ऊंचे तिरंगे के प्रति एलडीए की उदासीनता और लापरवाही कुछ ऐसा ही बयां कर रही है। गोमती नदी के किनारे कभी शान से लहराने वाला यह तिरंगा पिछले दो महीने से गायब है। आसमान की ऊंचाई से बातें कर रहा तिरंगे का सूना पोल वर्तमान सरकार और एलडीए अफसरों की चुगली कर रहा है। अफसरों की कारगुजारी तिरंगे के अपमान तक ही सीमित नहीं है। एशिया के सबसे बड़े पार्क में लगाया

गया यह तिरंगा कमाई का जरिया बन गया है। सूत्रों के अनुसार पार्क का झण्डा तैयार करवाने के लिए एलडीए ने एक ठेकेदार को 1.76 करोड़ का ठेका दिया था। पैसों का भुगतान भी हो चुका है, लेकिन दो माह बीतने के बाद भी ठेकेदार ने झण्डा नहीं लगवाया। इसके बावजूद एलडीए ने संबंधित ठेकेदार को न तो नोटिस जारी की और न ही कोई कार्रवाई की। एलडीए के अभियंता मिलीभगत के चलते ठेकेदार के पक्ष में ही बहाने बना रहे हैं। अब नगर निगम दूसरी बार किसी अन्य ठेकेदार को ठेका देकर करोड़ों खपाने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले सितंबर 2019 और उससे पहले भी कई बार एलडीए अफसरों की लापरवाही सामने आ चुकी है। पिछले वर्ष सितंबर माह में कई दिनों तक जनेश्वर मिश्र पार्क का यह तिरंगा फटा हुआ लहराता रहा। लेकिन एलडीए अफसरों की निगाह इस पर नहीं पड़ी। जबकि पार्क के रख-रखाव की जिम्मेदारी एलडीए के जिम्मे है। मीडिया में छपने के बाद अफसरों ने पार्क का झण्डा बदलवाया था। अब 15 अगस्त नजदीक है। आज से ठीक छह दिन बाद जब पूरे देश में हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा होगा, तो जनेश्वर मिश्र पार्क में भी नया तिरंगा फहरा रहा होगा। क्योंकि इस दिन सभी सरकारी और निजी बिल्डिंगों पर तिरंगा लहराया जाता है। बता दें कि सूबे में सबसे ऊंचा तिरंगा जनेश्वर मिश्र पार्क में 2015 में फहराया गया था। तबसे कई बार यह झंडा फट चुका है। इसके बाद बदला भी गया। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान राजधानी में गोमती नदी के किनारे 350 एकड़ की जमीन पर जनेश्वर मिश्र पार्क का निर्माण कराया था। सपा सरकार ने दिल्ली के राजीव चौक की तर्ज पर पार्क के मध्य में देश की शान और गौरव के प्रतीक विशालकाय तिरंगा लगवाया था। तिरंगे को नियमित उतारने और चढ़ाने के साथ ही उसके रख-रखाव के लिए हर वर्ष इसका ठेका दिया जाता है। एलडीए ने 2019-20 के लिए एक ठेकेदार को 1.76 करोड़ का भुगतान किया है। इस भुगतान में तिरंगे के साथ ही कुछ अन्य काम भी जुड़े हुए थे। जनेश्वर मिश्र पार्क में मई माह से अभी तक झंडा नहीं दिखा है।

मुख्यमंत्री योगी को शिलान्यास का न्योता देगा इंडो इस्लामिक ट्रस्ट

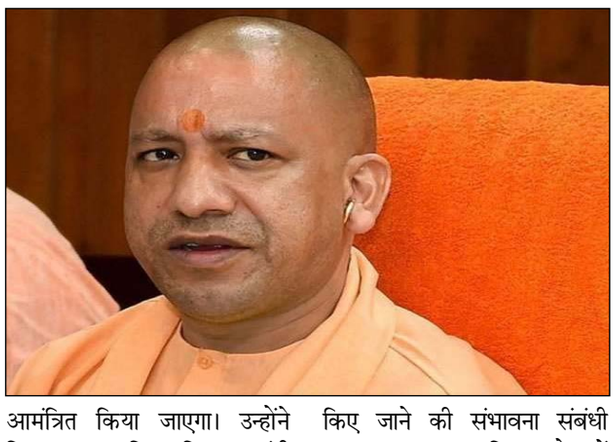

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फबोर्ड द्वारा अयोध्या में मस्जिद तथा अन्य निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट उच्चतम न्यायालय के आदेश पर वक्फ बोर्ड को मिली जमीन पर बनने वाली जन सुविधाओं के शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित करेगा। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव और प्रवक्ता अतहर हुसैन ने शनिवार बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर अयोध्या जिले के धन्नीपुर गांव में वक्फ बोर्ड को मिली पांच एकड़ जमीन पर अस्पताल, लाइब्रेरी, सामुदायिक रसोईघर और रिसर्च सेंटर बनाया जाएगा। यह सभी चीजें जनता की सुविधा के लिए होंगी और जनता को सहूलियत देने का काम मुख्यमंत्री का होता है। इसी हैसियत से इनके शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में न सिर्फ शिरकत करेंगे, बल्कि इन जन सुविधाओं के निर्माण के लिए सहयोग भी करेंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक निजी टीवी चौनल को दिये गये साक्षात्कार में अयोध्या में मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत किए जाने की संभावना संबंधी सवाल पर कहा था कि ना तो उन्हें बुलाया जाएगा और ना ही वह जाएंगे। उन्होंने कहा था, अगर आप एक मुख्यमंत्री की हैसियत से यह सवाल पूछ रहे है तो मुझे किसी धर्म, मान्यता या समुदाय से कोई परहेज नहीं है लेकिन अगर आप मुझसे एक योगी के रूप में पूछ रहे है तो मैं हरगिज नही जाऊंगा।

दुर्घटनाग्रस्त एयर इण्डिया के बहादुर पायलटों को पूरा आदर सम्मान दे सरकार: मायावती

लखनऊ, संवाददाता। केरल के कोझिकोड हवाईअड्डे पर एयर इंडिया का चार्टर्ड विमान शुक्रवार को देर शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दो पायलट समेत 18 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। इस हादसे पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने दुख जताया है। साथ ही उन्होंने सरकार से दोनों पायलटों को पूरा आदर-सम्मान देनी की बात कही है। मायावती ने ट्वीट कर कहा, 'केरल में कलरात दुर्घटनाग्रस्त एयर इण्डिया के पायलटों द्वारा अपनी जान देकर विमान में सवार 190 में से अधिकतर यात्रियों की जान बचाने के लिए उनकी बेमिसाल दक्षता, सूझबूझ व बहादुरी को सलाम। केन्द्र व राज्य सरकार से अपील है कि वे ऐसे सपूतों की कुर्बानी को पूरा आदर-सम्मान जरूर दे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक बयान के

अनुसार ये हादसा कल रात 7 बजकर 41 मिनट पर हुआ था। हादसे का कारण लैंड करते समय विमान रनवे से आगे निकल गया जिसके कारण यह घटना घटित हुई, बड़ी बात यह कि विमान में आग नहीं लगी है। मंत्रालय के मुताबिक घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वामपंथी दलों ने 9 अगस्त के मजदूरों किसानों के आंदोलन में पूर्ण सहयोग की अपील की

लखनऊ, संवाददाता। वामपंथी दलों भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माले, अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक ने मजदूरों और किसानों के संगठनों द्वारा 9 अगस्त के राष्ट्र व्यापी आंदोलन का समर्थन किया है। यह नारा देश व भारतीय जनता की रक्षा के लिए बेहद जरूरी और सामाजिक नारा है। 10 किलो मुफ्त राशन सभी को देने, 7500 का आम जनता के खातों में ट्रांसफर करने, मनरेगा में 200 दिन का काम और 600 मजदूरी एवं शहरों में भी रोजगार गारंटी योजना शुरू करने, किसान मजदूर विरोधी अध्यादेश को वापस लेने, सार्वजनिक संपत्तियों को बेचना बंद करने आदि मुद्दों पर वामपंथी दल पहले से ही आंदोलित हैं। उत्तर प्रदेश के वामपंथी दलों ने अपनी सभी इकाइयों से 9 अगस्त के मजदूरों किसानों के आंदोलन में पूर्ण सहयोग की अपील की है।

बाढ़ से फसलें चौपट मुआवजा दे सरकार: लल्लू

लखनऊ, संवाददाता। कुशीनगर तटबंधों की सुरक्षा के प्रति सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुये उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि दर्जनों गांव बाढ़ की विभीषिका का सामना कर रहे है। धान और गन्ने की फसल जलमग्न है। सरकार तत्काल प्रभाव से किसानों को मुआवजा दे ताकि इस विपदा में उनको थोड़ी राहत मिले। लल्लू ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि पिछले एक सप्ताह से वे बाढ़ पीड़ितों के बीच घूम रहे हैं। बहराइच से लेकर बलिया तक स्थिति बहुत भयानक है। जगह जगह तटबन्धों की दशा बहुत ही दयनीय हालत में है। उन्होंने कहा कि इससे साफ साफ सरकार की लापरवाही उजागर होती है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि बाढ़ में अपार जन धन की हानि हुई है। सरकार को

तत्काल प्रभाव से पीड़ित जनता की मदद करनी चाहिए। गोंडा, बहराइच, बाराबंकी, कुशीनगर, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, मऊ, आजमगढ़ समेत कई जिलों में गन्ना और धान की फसल डूब गई है। कई जिलों में तेज बारिश से भी बहुत नुकसान हुआ है। वहाँ भी फसलें बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान लगातार कई सालों से प्राकृतिक आपदा और किसान विरोधी सरकारी नीतियों के शिकार हो रहे हैं। उनके जेब में फूटी कौड़ी तक नहीं है। सरकार तत्काल प्रभाव बाढ़ को आपदा घोषित करे और जन-धन की हुई हानि का मुआवजा घोषित करे।

एडीजी पीएसी द्वारा थप्पड़ की धमकी का डीजीपी ने लिया संज्ञान

लखनऊ, संवाददाता। एडीजी पीएसी विनोद कुमार सिंह द्वारा दूसरी वाहिनी, पीएसी सीतापुर के सिपाही रंजीत कुमार को बदतमीज कहते हुए थप्पड़ मारने के संबंध में आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर द्वारा भेजी गयी शिकायत का डीजीपी एच सी अवस्थी ने संज्ञान लिया है, अमिताभ ने यह शिकायत एक ऑडियो बातचीत के आधार पर भेजी थी जिसमें रंजीत कुमार द्वारा एडीजी पीएसी से अपने वाहिनी के बड़े बाबू द्वारा परेशान करने के संबंध में आठ बजे फोन पर शिकायत करने पर एडीजी उसकी समस्या को सुनने की जगह हडकाते दिखते हैं, इस पर एडीजी कार्मिक दीपेश जुनेजा ने अपने पत्र दिनांक 05 अगस्त 2020 द्वारा अमिताभ को कहा है कि उन्हें ऑडियो की प्रति उपलब्ध करायी जाये ताकि प्रकरण में अग्रेतर कार्यवाही की जा सके. अमिताभ ने कहा है कि वे शीघ्र ऑडियो की प्रति दीपेश जुनेजा को उपलब्ध कराएँगे ताकि सिपाही के साथ न्याय हो सके।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार को अवमानना नोटिस

लखनऊ, संवाददाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार को प्रताप चन्द्र की याचिका पर अवमानना नोटिस निर्गत किया है। जस्टिस राजेश सिंह चौहान की बेंच ने यह नोटिस याची की अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर को सुनने के बाद दिया। नूतन ने कोर्ट को बताया कि प्रताप चन्द्र ने नवंबर 2017 में हुए नगरीय स्थानीय निकाय चुनावों में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के सम्बन्ध में जनहित याचिका दायर किया, जिसके कोर्ट के आदेश के बाद भी आयोग ने अपने आदेश द्वारा सभी लोगों को क्लीनचिट दे दी। आयोग के इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी गयी थी जिसपर कोर्ट ने आयोग को अपने आदेश को वापस लेते हुए शिकायत पर नए सिरे से निर्णय लेने के आदेश दिया था।

अस्पताल उद्घाटन पर अखिलेश का तंज

सपा के कामों का फीता काटते हुए कार्यकाल बिता रहे हैं योगी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नोएडा में कोविड अस्पताल का उद्घाटन करने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुटकी ली है। उन्होंने इस पर ट्वीट कर लिखा कि वर्तमान मुख्यमंत्री का निष्फल कार्यकाल इसी बात में बीता कि वो काटते रहे सपा के कार्यकाल में हुए कामों का फीता। इसी कड़ी में अब 'डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल नोएडा' का उद्घाटन हो रहा है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 344 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टर-39 स जिला अस्पताल भवन में 400 बिस्तरों के कोविड-19 अस्पताल का उद्घाटन किया। फिलहाल अस्पताल में सिर्फ 167 बिस्तरों पर ही कोरोना मरीजों का उपचार किया जाएगा। वर्तमान में इस अस्पताल में तीन आइसीयू 28 बिस्तर, एक आपातकालीन कक्ष 9 बिस्तर और दो वार्ड, 65-65 बिस्तर के अलावा डायलिसिस यूनिट, सिटी स्कैन, लैब की व्यवस्था की गई है। अस्पताल में जरूरत के अनुसार बिस्तरों की संख्या बढ़ाकर 400 की जा सकती है। अस्पताल जिले में सबसे बड़ा आधुनिक कोविड अस्पताल है। अस्पताल का निर्माण नोएडा प्राधिकरण की ओर से किया गया है, जबकि टाटा समूह और बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ओर से करीब 17 करोड़ की लागत से अस्पताल में संसाधन जुटाए गए हैं। यहां प्रथम तल पर आईसीयू और आपातकालीन सेवाएं और पांचवें तल पर आइसोलेशन वार्ड बनाया गया। इसके अलावा द्वितीय तल पर डायलिसिस यूनिट व सिटी स्कैन की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में बाल पीजीआइ में 50, ग्रेनो राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में 150 बेड की सुविधा है। यहां करीब 100 स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

पीजीआई में फर्जी कोरोना जांच रिपोर्ट से हड़कंप, प्रशासन ने दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ, संवाददाता। पीजीआई में भर्ती होने वाले मरीजों की कोरोना जांच रिपोर्ट नकली होने का मामला सामने आया है। यह मामला जैसे ही लोगों तक पहुंचा हड़कंप मच गया। इस मामले में संस्थान द्वारा आरोपी के खिलाफपीजीआई थाने में एफआईआर दर्ज कराई गयी है। पीजीआई के एमआईसीयू वार्ड में भर्ती होने आए एक मरीज की कोविड-19 जांच संदेहास्पद होने पर जब उससे पूछताछ की गई, तो उसने पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद आरोपी के खिलाफनामजद रिपोर्ट लिखाई गई हैं। फिलहाल आरोपी फरार हैं, और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पीजीआई प्रशासन के अनुसार गेट के आस-पास स्थित होटल और गेस्ट हाउस है। यहां काफी संख्या में गरीब मरीजों के तीमारदार ठहरते हैं। उनके रूकने के लिए कोरोना जांच की जरूरत होती है। जिसको तत्काल कराने का आश्वासन देकर उनसे पैसे वसूल लिया जाता है।

रिहाई, कमाई, दवाई, पढ़ाई पर आज लोकतंत्र बचाओ दिवस

किसान-मजदूर संगठनों के राष्ट्रव्यापी आवाहन के समर्थन में होंगे कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। 9 अगस्त को 'कारपोरेट भगाओ-किसान बचाओ' के नारे पर अखिल भारतीय किसान मजदूर संघर्ष समन्वय समिति और मजदूरों के संगठनों द्वारा राष्ट्रव्यापी विरोध कार्यक्रम का समर्थन करते हुए रिहाई, काले कानूनों का खात्मा, कमाई, दवाई, पढ़ाई के सवालों पर लोकतंत्र बचाओ दिवस आयोजित करने का निर्णय लोकतंत्र बचाओ अभियान की वेबनार बैठक में हुआ। इस दिन लोकतंत्र बचाओ अभियान से जुड़े सभी लोग बैनरध् पोस्टर के साथ इस कार्यक्रम को मनायेंगे और सोशल मीडिया, ट्वीटर, फेसबुक, वाट्सअप, इंट्साग्राम आदि के जरिए इसे प्रचारित व प्रसारित करेंगे। बैठक में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संवाद समूह द्वारा राष्ट्र निर्माण की शपथ के कार्यक्रम को भी करने का निर्णय हुआ। बैठक की अध्यक्षता आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. आर. दारापुरी और संचालन दिनकर कपूर ने किया। बैठक में उपस्थित अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने कोरोना महामारी के दौर में प्रवासी मजदूरों के लिए पहल लेने और योगी सरकार द्वारा काम के घंटे 12 करने की कोशिश को वर्कर्स फ्रंट द्वारा विफल करने के प्रयास की सराहना की। साथ ही आइपीएफद्वारा हाईकोर्ट में हस्तक्षेप कर कोरोना महामारी के दौरान सरकार द्वारा सरकारी व निजी अस्पतालों में बंद की गयी सामान्य स्वास्थ्य व्यवस्था (ओपीडी) को पुनः चालू कराने की पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा देश में वित्तीय पूंजी के सक्रिय सहयोग से मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था को अधिनायकतंत्र में तब्दील करने में पूरी ताकत से लगी हुई है। राम मंदिर का निर्माण भी उनके इसी प्रोजेक्ट का ही हिस्सा है। आरएसएस ने भूमि पूजन के लिए 5 अगस्त की तारीख का चुनाव भी इसीलिए किया क्योंकि इसी दिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन करने का दुस्साहिक कदम उठाया था। जिसके दुष्परिणाम आज भारत-चीन सीमा विवाद, पाकिस्तान का मनोबल बढ़ना, जम्मू कश्मीर में मानवाधिकारों व लोकतंत्र की हत्या के रूप में सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लोकतंत्र पर हमले का माडल बन रहा है। पुलिस राज में तब्दील होता जा रहा प्रदेश अपराधियों-माफियाओं के हवाले हो गया है और आम नागरिकों का जीवन असुरक्षित है। वित्तीय पूंजी के लिए आरएसएस-भाजपा द्वारा लाए जा रहे अधिनायकवाद और सामाजिक-सामुदायिक विषमता के विरूद्ध लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समता और भाईचारा कायम करना हमारा लक्ष्य है। बैठक में मौजूद पूर्व डी.जी. उ0 प्र0 पुलिस बिजेन्द्र सिंह ने आज देश में डा0 अम्बेडकर के विचार को मानने वालों समेत अन्य जनपक्षधर समूहों की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक कमी को पूरा करने के लिए ली जा रही पहल सराहनीय है। पूर्व न्यायधीश बी0 डी0 नकवी ने कहा कि आज फासीवाद का खतरा वास्तविक खतरा बनके उभरा है।

रेलवे ओवरब्रिज के ऊपर दिख रही सरिया हादसो को दे रही दावत

चौडगरा, फतेहपुर । दिल्ली-हावड़ा रुट उत्तर मध्य रेलवे के बिंदकी रोड रेलवे स्टेशन पर बने रेलवे ओवरब्रिज पर दिख रही सरिया खतरे को दावत दे रही है। एक सप्ताह पूर्व ही विभागीय अधिकारीयो द्वारा क्षेत्रीय लोगो की शिकायत के बाद खानापूर्ती कर सरियो मे डामर डलवाया गया था, किंतु खानापूर्ती की पोल अब खुल गई है। चौडगरा-घाटमपुर स्टेट हाइवे पर बिन्दकी रोड़ रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य बसपा शासन काल मे सन् 2012 मे पूरा हुआ था, जिसका उद्घाटन तत्कालीन कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने किया गया था। ओवरब्रिज बनने के एक माह के बाद ही बनाये गये ओवरब्रिज की खामियां उजागर हो गई थी, तब से अब तक ओवरब्रिज की इन्ही खामियो को दूर करने के लिये मात्र खानापूर्ती की जा रही है। एक माह से अधिक समय से ओवरब्रिज के ऊपर सरिया दिख रही है। चार गड्ढे मे दिख रही सरियो मे बाइक सवार व अन्य वाहन चालक फंस रहे है। किसी दिन कोई हादसा हो जाये इसे नकारा नही जा सकता है। इसके साथ ही पूरी सड़क उखड़ गई है।

क्या कहते है लोग

रेलवे लाइन के ऊपर ब्रिज निर्माण रेलवे खुद कराता है। बावजूद इसके सड़क उखड़ गई और सरिया दिखने लगी है। यह इनके द्वारा किये गये कार्यो की पोल खोलता है। जिले की सांसद/केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के सज्ञांन में यह समस्या डाली है। - **शिवशंकर सिंह भाजपा नेता**

बसपा शासनकाल मे बने बिन्दकी रोड रेलवे ओवरब्रिज में बीच मे जगह जगह गड्ढे है और चार गड्ढो में सरिया दिख रही है जिससे कोई हादसा भी हो सकता है। दो सप्ताह पहले खानापूर्ती कर रेलवे ने सरिया छुपाई थी जो फिर दिखने लगी है। डीएम को वाट्सएप्प के जरिए जानकारी भी दी गयी है। - **आलोक गौड़ सामाजिक कार्यकर्ता**

बाइक से यहॉ से निकलना जान-जोखिम मे डालकर निकलना है। रात्रि मे भारी वाहन तेज रफ्तार में आते है और यहॉ गड्ढों में सरिया है जिसमे बारिश का पानी भर जाता है जिससे गड्ढे दिखते नही कोई भी हादसा हो जाये इसका जिम्मेदार कौन होगा। - **जितेन्द्र सिंह हरसिंहपुर स्थानीय निवासी**

बॉदा, बिन्दकी, घाटमपुर सहित अन्य प्रांतो राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब तक के वाहन इसी रास्ते से आते-जाते है। दिनभर वाहनो का आवागमन होता है। रेलवे के जाम से मुक्ति के लिये ब्रिज का निर्माण हुआ था। यहॉ महीनो से गड्ढे व सरिया मुसीबत बनी है पर कोई सुनने वाला नही है। -**रुद्रपाल सिंह गौतम ग्राम-साई**

एनएच-2 के गड्ढे बने जानलेवा

फतेहपुर । चौडगरा चौराहे से कुछ दूर ओवरब्रिज नीचे एनएच-2 जीटी रोड़ मे गड्ढे खुले आम मौत को दावत दे रहा है। वहीं एनएचआई के आला अधिकारी इसको लेकर गम्भीर नहीं दिख रहे है। जिसको लेकर कस्बावासियो ने एनएचआई को शिकायत कर गड्ढे को दुरुस्त करने की गुहार लगाई है।

पंदे से लटकता मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

वारदात से पहले पति-पत्नी के बीच हुआ था विवाद

थरियांव, फतेहपुर । थाना क्षेत्र के देहुली गांव निवासी 35 वर्षीय अशरफी लोधी पुत्र स्व0 गजराज लोधी का शव घर के अंदर धन्नी में लटकता मिला। सूत्रों के मुताबिक मृतक की पत्नी चित्ररेखा देवी का अवैध सम्बंध गांव की ही एक युवक से चल रहा है। मृतक ने पत्नी को रक्षाबंधन में मायके जाने के लिए चार हजार रुपये दिए थे। बीती शाम को मृतक ने पत्नी से हिसाब मांगा तो विवाद शुरू हो गया। विवाद देर रात तक चला। सुबह मृतक का शव घर के अंदर लटकता मिला। मृतक मजदूरी करता था। रोजाना की तरह मृतक के साथी काम पर जाने के लिए बुलाने गए तो पत्नी बाहर सो रही थी। साथियों ने अंदर देखा तो स्तब्ध रह गये। मृतक के भाई जयकरन लोधी व बेटे आलोक, ननका का रो-रोकर बुरा हाल रहा है। चर्चा रही कि मृतक के बेटों ने दो नकाबपोश लोगों के घर आने की बात बताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले पर थानाध्यक्ष महामाया प्रताप सिंह ने बताया कि हत्या की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी।

9 अगस्त से 'चायना उत्पाद भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू करेंगे देश भर के व्यापारी

लखनऊ, संवाददाता। 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए 'भारत छोड़ो' आंदोलन की तर्ज पर देश भर के व्यापारी रविवार से 'चायना उत्पाद भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू करने जा जा रहे हैं। कनफेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स के आवाहन पर इस बार 9 अगस्त से देश भर के राज्यों में लगभग 600 शहरों में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए व्यापारी विरोध एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे।'भारतीय सामान-हमारा अभिमान' जागरूकता अभियान में व्यापारी समाज देश की जनता को सभी त्यौहारों में भारतीय उत्पादों के उपयोग के लिए जागरूक व प्रेरित करेगा। इस अभियान के क्रम में भारतीय क्रिकेटर, अभिनेता, अभिनेत्रियों से भी संपर्क कर चाइना उत्पादों का विज्ञापन न करने की अपील की जाएगी। यह जानकारी कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश चेयरमैन व उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने दी। श्री गुप्ता ने कहा कि गलवान कांड के बाद से हर भारतीय नागरिक और व्यापारी के सीने में आक्रोश की आग धधक रही है। व्यापारी नेता ने बताया कि 9 अगस्त से हमारा आंदोलन चरणबद्ध तरीके से चलेगा। राजधानी लखनऊ में 9 अगस्त को संगठन के सभी पदाधिकारी अपने-अपने घरों में चाइना उत्पादों के बहिष्कार का संकल्प दोहराएंगे। 10 अगस्त को चाइना उत्पादों की होली जलाई जाएगी। 11 अगस्त से बाजारों एवं मोहल्लों, कालोनियों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को चायनीज उत्पादों के पूर्ण बहिष्कार के लिए जागरूक करेंगे। श्री गुप्ता ने बताया कि चाइना के उत्पादों ने पिछले 20 वर्षों में भारतीय बाजार में अपना आधिपत्य जमाया है। इसलिए चाइना उत्पादों को भारतीय बाजारों से बाहर करने के लिए कई तैयारियां करनी होंगी। सरकार को भारतीय व्यापारियों को मजबूत करना होगा। भारतीय उद्योग को मजबूत करना पड़ेगा। भारतीय उत्पादों को चाइना के उत्पादों के मुकाबले सस्ता एवं गुणवत्तायुक्त बनाने के लिए सभी तरह की सुविधाएं और छूट देनी होंगी। संजय गुप्ता ने कहा कि खुद भारत सरकार को चीन की हर कंपनी का बहिष्कार करना होगा। सरकारी स्तर पर चीन से किसी भी तरह की खरीद पर बैन लगाना होगा।व्यापारी नेता ने कहा कि अब जब तक हम पूरी तरह से चाइना उत्पादों से मुक्त एवं आत्मनिर्भर भारत नहीं बना लेंगे, तब तक चुप होकर नहीं बैठेंगे। हम चरणबद्ध तरीके से इस आंदोलन को कई वर्षों तक चलाएंगे। संजय गुप्ता ने कहा कि इस बार के सभी त्यौहार जैसे कि जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दिवाली, भैया दूज, छठ पूजा, तुलसी विवाह आदि भारतीय उत्पादों के साथ ही मनाए जाएंगे। हाल ही संपन्न हुए रक्षाबंधन में इस बार चीन से राखी का आयात बिल्कुल भी नहीं हुआ। जिसके कारण चाइना को 4000 करोड़ रुपए की आर्थिक चोट पहुंची। श्री गुप्ता ने कहा कि लगातार चाइना को आर्थिक नुकसान पहुंचाना होगा। जिसमें जनता, व्यापारी और सरकार सभी की सहभागिता जरूरी है।

आबकारी व बकेवर पुलिस की संयुक्त छापेमारी

170 लीटर अवैध शराब बरामद, भारी मात्रा में लहन किया गया नष्ट

फतेहपुर । आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार चलाये जा रहे अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान के क्रम में विशेष प्रवर्तन अभियान के अर्न्तगत जिलाधिकारी संजीव सिंह एवं उप आबकारी आयुक्त प्रयागराज प्रभार, प्रयागराज के निर्देश पर शनिवार को आबकारी विभाग के निरीक्षक सदर संजीव सिंह, संदीप कुमार खागा एवं लक्ष्मी शंकर बाजपेई के नेतृत्व में बकेवर थाने के उपनिरीक्षक मलखान सिंह ने संयुक्त रूप से बकेवर थाने के पल्थाहार गांव में छापेमारी कर 150 लीटर अवैध कच्ची शराब तथा 1000 किग्रा तैयार लहन एवं 15 चढ़ी भट्टियॉ नष्ट की गयी। इसी प्रकार बेरूईहार गांव में भी दबिश देकर 20 लीटकर अवैध कच्ची शराब बरामद की गयी एवं मौके पर 200 किग्रा तैयार लहन नष्ट किया गया। उक्त आशय की जानकारी जिला आबकारी अधिकारी ने दी।

शाह में राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा स्थापित कराने की मांग

20 अगस्त को आरबीआई के महाप्रबन्धक को व्यापार मण्डल भेजेगा ज्ञापन

फतेहपुर । शाह व्यापार मण्डल की बैठक में मुख्य अतिथि संस्थापक/अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने संगठन को गतिशील बनाने हेतु सदस्ता अभियान चलाने, आसपास के समस्त ग्रामो की इकाई का गठन करने व व्यापारियों, राहगीरों, महिलाओ की सुविधा हेतु कस्बा शाह में प्रसाधन सुविधा के निर्माण हेतु निर्देश जारी किया।

बैठक की अध्यक्षता करते शाह व्यापार मण्डल अध्यक्ष मो0 इरफान ने कस्बा शाह की अहम समस्या राष्ट्रीयक्रत बैंक के आवंटन न होने से अनेक प्रकार की समस्याओं की बात प्रस्तुत की। समस्या के निदान हेतु सर्व सम्मति से तय हुआ कस्बा शाह में बैंक आवंटन हेतु 20 अगस्त को व्यापार मण्डल का प्रतिनिधि मण्डल भरतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक को मांग पत्र भेजकर बैंक आवंटन एटीएम सहित समस्या के निदान की मांग करेगा। साथ ही तय हुआ कि व्यापारियों की एकजुटता हेतु भाई चारा कमेटी का निर्माण किया जाएगा व किसी भी विभाग व उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जाएगा। इस अवसर पर विनोद, पप्पू गुप्ता, शिबू गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, इरफान सिद्दीकी, सुभाष चंद गुप्ता (संरक्षक), शहादत अली, रमेश यादव, राकेश मोदनवाल, झल्ली मोदनवाल, सुरेश मोदनवाल, सनत गुप्ता, दीप चंद गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, इरशाद खान (लल्लू पठान), अतुल कुमार गुप्ता, हिम्मतलाल मौर्य, नईम शेख, आशीष द्विवेदी, कमलाकांत मिश्रा, रज्जू गुप्ता, दीपक तिवारी, रामप्रसाद सविता, मोहर अली, अली अहमद आदि उपस्थित रहे।

कोरोना मरीजों का मनोबल बढ़ाने का आह्वान

संगठन मजबूती को लेकर महिला व्यापारियों ने कसी कमर

बिन्दकी, फतेहपुर । नगर के रामलीला मैदान के निकट महिला व्यापार मंडल कंछल गुट कि बैठक व्यापार मंडल की अध्यक्ष स्वाति ओमर के प्रतिष्ठान में हुई। जिसमें संबोधित करते हुए स्वाति ओमर ने कहा कि संगठन को और बेहतर ढंग से मजबूत करना है ताकि व्यापारियों की हितों की लड़ाई लड़ी जा सके। खासकर महिला व्यापारियों के हितों के लिए विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कोरोना वायरस संक्रमण तेजी से फैला है। निश्चित रूप से हमें संक्रमित व्यक्ति तथा परिवार के मनोबल को बढ़ाना होगा ताकि ऐसे लोग जल्द ठीक हो सके। हमें बीमारी से लड़ना है न कि बीमार से इसलिए सभी लोग अपना नजरिया बदलें और कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए स्वयं जागरूक हो तथा दूसरों को भी जागरूक करें। इस मौके पर महिला व्यापार मंडल की महामंत्री आशा ओमर, शकुंतला गुप्ता, अनीता गुप्ता, अर्चना गुप्ता, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कारागार राज्यमंत्री ने मृतक के घर पहुँच परिजनों को बधाया ढांढस

बिन्दकी, फतेहपुर । कारागार राज्यमंत्री जय कुमार सिंह जैकी विधानसभा क्षेत्र के नंदापुर गांव पहुंचे और दो दिन पहले करंट में चिपक कर मौत का शिकार हुए प्राइवेट बिजली मजदूर के परिजनों से मिलकर घटना पर दुःख जताते हुए आर्थिक मदद दिलाने का भरोसा दिया। बताते चलें कि विगत 02 दिन पहले कोतवाली क्षेत्र के भेउली गांव में बिजली के खंभे में चढ़कर फाल्ट बनाते समय प्राइवेट बिजली मजदूर रोहित उम्र 18 वर्ष पुत्र गुलाब निवासी नंदापुर की करंट में चिपक कर दर्दनाक मौत हो गई थी। इस दुःखद घटना के बाद हड़कंप मच गया था। ग्रामीण शव को लेकर विद्युत उपकेंद्र भी पहुंचे थे और मुआवजे की मांग किया था। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी और पुलिस ने ग्रामीणों व परिजनों को समझा कर मामले को शांत करा कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। घटना की जानकारी मिलने पर कारागार राज्य मंत्री जय कुमार सिंह 02 दिन बाद पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिलकर घटना पर अफसोस जताते हुए कहा कि निश्चित रूप से पूरा प्रयास रहेगा कि उन लोगों को और अधिक से अधिक आर्थिक मदद मिले। घटना की जांच भी कराएंगे। घटना के दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी। इस मौके पर कारागार राज्यमंत्री के प्रतिनिधि कैलाश नारायण शर्मा, प्रधान सतीश उमराव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सरकार दावों के सहारे काट रही है दिनः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी(सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर दावों के सहारे दिन काटने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी के हालात बेकाबू होने पर सरकार ने 'नो टेस्ट नो केस' का रास्ता अख्तयार कर लिया गया है। अखिलेश यादव ने शनिवार को यहां जारी बयान में कहा कि राज्य सरकार बीमारी से निबटने में असहाय और अक्षम साबित हो रही है। प्रदेश में कोविड मरीज 44,563 हैं और 1981 मौते हो चुकी है। मुख्यमंत्री का निष्पन्न कार्यकाल इसी बात में बीत रहा है कि वे समाजवादी सरकार के कार्यकाल में हुए कामों का ही फीता काटते रहे। भाजपा सरकारें केन्द्र की हों या राज्य की दावों के सहारे ही अपने दिन काट रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना का शिकार बनने वालों की सूची में अधिकारियों, पुलिस कर्मियों, नगरपालिका, बैंक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं न्यायकर्मियों का लगातार बढ़ना बेहद चिंताजनक है। शुक्रवार को 707 केस राजधानी लखनऊ में मिले। मरीजों को न समय से इलाज मिल रहा है और नहीं दवाइयां। प्रशासनिक विफलता के चलते कोरोना में और ज्यादा मौते हो सकती है। यादव ने कहा कि नोएडा में समाजवादी सरकार के कार्यकाल में 400 बेड के अस्पताल की आधारशिला रखी गई थी। मुख्यमंत्री उसी अस्पताल में फीता काटने की रस्म अदायगी करते है। इस अस्पताल में अब कोविड-19 के मरीजों का इलाज होगा। सोती सरकार जागकर सुनिश्चित करे कि कोरोना टेस्ट रिपोर्ट शीघ्र व सही आएं जिससे लोग रिपोर्ट पर विश्वास कर सकें और अपने लोगों को न खोंए। उन्होंने कहा कि दुरूखद घटना है कि शाहजहांपुर का पुलिस अधिकारी तीन बार निगेटिव के बाद लखनऊ में आते ही पॉजिटिव हुआ और उसकी मृत्यु हो गई। एक शिक्षिका भी बिना इलाज मर गई। वाराणसी में पत्रकार राकेश चतुर्वेदी की मौत हो गई। लखनऊ शहर में शुक्रवार को पांच मौते हुई। इटावा में बैंक मैनेजर और आगरा में पूरा परिवार पॉजिटिव पाया गया। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में घोर अव्यवस्थाएं हैं। क्वारंटीन सेंटरों में गंदगी के चलते मरीज की बीमारी बढ़ जाना स्वाभाविक है। वहां समय से न डाक्टरी सुविधाएं मिलती है और नहीं वहां पौष्टिक भोजन उपलब्ध होता है। जो कोरोना पीड़ित नहीं है, ऐसे मरीजों की जिंदगी भी खतरे में है। अस्पतालों में उनको समय से इलाज नहीं मिल रहा है। सरकारी अस्पतालों के अलावा प्राईवेट अस्पतालों में भी मरीजों को भटकना पड़ता है। कई अस्पतालों में दौड़ के दौरान लोगों की मौते हो चुकी हैं।

महिला का शव फांसी के फंदे पर झूलता मिला

पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

बिन्दकी, फतेहपुर । घर के अंदर संदिग्ध अवस्था में एक महिला का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला तो हड़कंप मच गया। परिजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में मृतक महिला के पिता ने पति समेत पांच ससुराली जनों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के डीघ गांव में धर्मेंद्र सिंह की पत्नी प्रीति सिंह उम्र 24 वर्ष और घर के अंदर संदिग्ध अवस्था में फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने देखा तो हड़कंप मच गया। पारिवारिकजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे। उधर मामले की सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में मृतक महिला के पिता विजय शंकर सिंह निवासी ईशीपुर थाना अंतू जनपद प्रतापगढ़ ने पति, जेठ, जेठानी तथा दो ननंद कुल 5 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मृतक महिला के पिता ने बताया कि उसने अपनी पुत्री प्रीती सिंह की शादी 14 दिसंबर 2015 को की थी शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुराली जन प्रताड़ित कर रहे थे दहेज की मांग करते थे हालांकि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

मामूली विवाद में दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट
पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया

बिन्दकी, फतेहपुर । कुएं में सबमर्सिबल डालकर पानी निकालने की विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों से कुल 4 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मारपीट करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार शनिवार को कोतवाली क्षेत्र के मण्डराव गांव में कुएं में सबमर्सिबल डालकर पानी निकालने की विवाद में रामअवतार तथा दूसरे पक्ष के मुन्नू सिंह के बीच कहासुनी गाली गलौज के बाद मारपीट शुरू हो गई देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडों से लैस होकर आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। उधर झगड़े की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने रामअवतार तथा उसके पुत्र रामू, श्यामू तथा दूसरे पक्ष के मुन्नू सिंह को हिरासत में लिया और कोतवाली लेकर आए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। वही पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है आरोपियों और झगड़ा करने वालों की पुलिस तलाश भी कर रही है।

आजादी के सात दशक बाद भी छतुवापुर गांव का हाल बेहाल

- ❑ एक अदद मार्ग के लिए करना पड़ रहा संघर्ष
- ❑ दलदल से होकर गुजरने को विवश हैं ग्रामीण

फतेहपुर । बिंदकी विधानसभा के छतुवापुर गांव का हाल बेहाल है। ग्रामीणों की मानें तो आज तक यहां रास्ता के लिए शासन और प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं है। लगातार दलदल से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार इस मांग को लेकर ग्राम प्रधान के पास वह तमाम बड़े अधिकारियों के पास ग्रामीणों ने इसकी शिकायत की है फिर भी कुछ अराजक तत्वों के द्वारा रोड़ा लगाने के कारण रोड का विकास नहीं हो पाया। यहां के लोगों का मानना है कि रोड न होने के कारण काफी समस्याओं से जूझना पड़ता है और संघर्ष के बाद हम यहां से निकल पाते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि बहन बेटियों की शादी में काफी मशक्कत करनी पड़ती है।

कभी-कभी आपसी विवाद के बीच स्थित पैदा हो जाती है। हम शासन सत्ता में बैठे लोगों से निवेदन करते हैं हम गरीबों के बारे में कुछ ध्यान दें और हमें उचित रास्ता देकर हमें निकलने का मार्ग प्रदान करें। न तो कोई जनप्रतिनिधि सुन रहा है और न ही प्रधान। गांव के लोगों को बरसात के दिनों में काफी मशक्कत के साथ निकलने को मजबूर होते हैं। गांव के कुछ लोगों की मानो तो रास्ता न होने चलते कई बार बच्चों की शादियां टूट गई है। हम शासन सत्ता पर बैठे लोगों से आग्रह करते हैं या तो हम गरीबो को निकलने का रास्ता दें या फिर हमारा गांव ही खत्म कर दें।

कारागार राज्य मंत्री की पहल लाई रंग

शासन द्वारा नए पंचायत भवनों के निर्माण को मिली मंजूरी

जहानाबाद, फतेहपुर । विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2020-21 राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत तीन नए पंचायत भवन का निर्माण होगा। विकासखंड क्षेत्र के बिजौली तथा मंगलपुर टकौली तथा विकासखंड देवमई के अंतर्गत किशनपुर कपिली में नए पंचायत भवन निर्माण की मंजूरी मिलते ही ग्रामीणों में खुशी की लहर देखी गई। निदेशक पंचायती राज लखनऊ द्वारा फतेहपुर जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय द्वारा जानकारी शासन द्वारा मिली जनपद फतेहपुर में 16 नए पंचायत भवन की स्वीकृति मिली है, जिस पर जहानाबाद विधानसभा में तीन पंचायत भवन का निर्माण होने की जानकारी प्राप्त होते ही ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने कारागार राज्यमंत्री को दूरभाष से बधाई दी। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी अजय आनंद सरोज ने बताया कि नए पंचायत भवनों का शासन के नियमानुसार शीघ्र ही निर्माण कारी शुरू कराया जाएगा।

पुलिस ने चलाया बैंको में चेकिंग अभियान

बिना मॉस्क पहने लोगों से वसूला जुर्माना

जहानाबाद, फतेहपुर । कस्बा में क्षेत्रीय पुलिस ने वैश्विक कोरोना महामारी से बचाव एवं शासन की गाइड लाइंस अनुपालन हेतु कस्बे में खुली हुई बैंकों पर निरीक्षण करने के साथ-साथ मुंह में बिना मास्क लगाए, लापरवाही बरतने वाले लोगों पर जुर्माना शुल्क वसूलते हुए 10 रूपये अतिरिक्त लेकर 02 मॉक्स उन्हें प्रदान किया। जानकारी अनुसार जहानाबाद थाना से एसएसआई अनंत सिंह भदौरिया और उपनिरीक्षक चंद्रदीप सिंह एवं उनके हमराहियों ने कस्बे में भ्रमण के दौरान खुली हुई बैंकों में स्टेट बैंक आफइंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया, एवं बैंक ऑफ बड़ौदा में पहुंच निरीक्षण करने के दौरान बैंक में आए हुए खाताधारकों से पूंछताछ की और अनावश्यक लोगों के बारे में पूंछताछ करते हुए उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया। इसके साथ साथ मुंह में बिना मास्क लगाए 07 लोगों से 700 रूपये का जुर्माना शुल्क वसूलकर रसीद दी और 10 रूपये अतिरिक्त लेकर 02 मास्क देने के साथ उन्हें मॉक्स शुल्क रसीद भी दी। 10 रुपए में दो मास्क प्राप्त कर लापरवाह लोग भी खुशी खुशी मास्क लेकर मुंह में बांधते नजर आये।

राम मंदिर का भूमि पूजन या हिंदू राष्ट्र का शिलान्यास

कैफी आजमी के राम को अगर 6 दिसंबर 1992 की ध्वंसलीला ने अपने दूसरे बनवास पर भेज दिया था, तो 5 अगस्त 2020 के प्रधानमंत्री के भूमिपूजन तथा कार्यारम्भ ने राम को आजीवन बनवास पर बल्कि कहना चाहिए कि आजीवन कारावास पर में भेज दिया है। आजीवन कारावास इसलिए कि प्रस्तावित भव्य मंदिर के जरिए और नव्य अयोध्या के निर्माण समेत तरह-तरह की परियोजनाओं के जरिए, राम को स्थायी रूप उस जगह के साथ बांध दिया जाएगा, जो उनकी मर्यादाओं के तार-तार किए जाने की निशानी है। आखिरकार, अयोध्या के इस राम को जब भी याद किया जाएगा, मस्जिद को ध्वस्त करा के अपना मंदिर बनवाने वाले राम के रूप में ही याद किया जाएगा। साधारण जन का सहजबोध अगर इस कलंकमय इतिहास को कमजोर या धुंधला करने की कोशिश भी करेगा, तो भी संघ परिवार का फैलाया हिंदुत्ववादी मकड़जाल लोगों को इसे भूलने नहीं देगा। जहां तक कल्पना जा सकती है वहां तक के भविष्य में वह, अपनी इस विजय को राजनीतिक रूप से दुहना जो जारी रखना चाहेगा। चुनाव हो या नहीं हो, सत्ता चाहनेध् पाने वालों को, लोगों के अनुमोदन की वैधता की जरूरत तो होती ही है। बेशक, यह अचरज की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त के अयोध्या के अपने संबोधन में न सिर्फ कथित श्राम मंदिर निर्माणश् को राष्ट्रीय गौरव तथा पहचान का मामला साबित करने की कोशिश की है बल्कि बड़े भोंडे तरीके से इस मुहिम को, देश की आजादी की लड़ाई की बराबरी पर रखने की भी कोशिश की है। इसके लिए उन्होंने सोच-समझकर, आजादी के बराबरी पर श्श्मुक्तिश्श् की संज्ञा का प्रयोग भी किया। इस क्रम में उन्होंने इसका दावा भी किया है कि जैसे भारतवासियों ने आजादी की लड़ाई में बेशुमार कुर्बानियां दी थीं तथा असीम त्याग किए थे, वैसे ही भारतीयों ने राम मंदिर के लिए बल्कि जन्मभूमि की मुक्ति के लिए, अंतहीन बलिदान दिए थे और तप-त्याग किए थे। वास्तव में बिना कहे ही, उनकी भारतीयों के इन श्दो गौरवपूर्ण संघर्षोंश् की प्रस्तुति में, बार-बार इसे रेखांकित करने के जरिए कि राम मंदिर के लिए संघर्ष श्पांच सौ सालश् से चला आ रहा था, 5 अगस्त की लकीर को 15 अगस्त की लकीर से बहुत बड़ा कर दिया गया। आखिरकार, स्वतंत्रता संघर्ष का इतिहास किसी भी तरह से दो सौ साल से लंबा नहीं था! इसी के हिस्से के तौर पर प्रधानमंत्री ने शब्दों तथा भाषण की बाजीगरी से, रामकथा की देश-विदेश में दूर-दूर तक व्याप्ति को, विवादास्पद मंदिर के निर्माण की मुहिम का हिस्सा होने के साथ जोड़ दिया और यह दिखाने की भरसक कोशिश की कि वह जिस मंदिर का श्भूमिपूजन तथा कार्यारम्भ कर रहे थे, उसे सभी का समर्थन हासिल था। इसके लिए उन्होंने देश तथा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रचलित रामकथा के विभिन्न रूपों की खासी लंबी सूची भी पेश की। लेकिन, इस सारी लफ्फाजी से भी वह इस सच्चाई पर पर्दा नहीं डाल सकते थे, नहीं डाल पाए कि वह उस मंदिर के निर्माण की शुरूआत कर रहे थे, जो भले ही सुप्रीम कोर्ट के अनुमोदन से हो, साढ़े चार सौ साल पुरानी मस्जिद के गैर-कानूनी तरीके से गिराए जाने के बाद, उसकी जगह पर बनाया जा रहा था। अन्य धर्मावलंबियों और किसी भी धर्म को न मानने वालों की विशाल संख्या को अगर छोड़ भी दें तब भी, खुद को आस्थावान हिंदू मानने वालों तथा इसलिए राम को पूजनीय मानने वालों में से भी, चाहे घटती हुई ही सही, पर अब भी ऐसे लोगों की अच्छी खासी संख्या है जो इस अन्याय से बने मंदिर को, राष्ट्र तथा उसकी एकता के लिए नुकसानदेह ही नहीं मानते हैं, खुद राम की अपनी मर्यादा और इसलिए हिंदू धर्म की भी मर्यादा के विरुद्ध भी मानते हैं। अचरज की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री को राम की मर्यादा की याद सिर्फ कोरोना काल में श्दो गज दूरी, मास्क भी जरूरीश् के लिए आई। लेकिन, राम राज्य और राजा राम की मर्यादा की याद उन्हें भूले से भी नहीं आई, न बाल्मीकि की संस्कृत में और न तुलसी की अवधी में! वर्ना वह इस सफेद झूठ को सच बनाकर चलाने की कोशिश नहीं करते कि वहीं बनाया जाने वाला यह मंदिर, एक सौ तीस करोड़ भारतवासियों की कामनाओं का फल होगा!

जाहिर है कि इस दावे के झूठा होने पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, जिस समुदाय के साथ अन्याय हुआ है उसके समेत, इस फैसले का विरोध करने का किसी के लिए भी कोई मौका नहीं रह गया है। और इसके झूठा होने पर इससे तो और भी कोई असर नहीं पड़ता है कि अस्सी फीसद से ज्यादा हिंदू आबादी वाले इस देश में, राजनीतिकध् चुनावी नफा-नुकसान देखकर, कोई भी मुख्यधारा की पार्टी अब इस अन्याय का जिक्र नहीं करना चाहती है। इसके झूठा होने पर इससे भी कोई असर नहीं पड़ता है कि सोचने-विचारने वालों के भी बड़े हिस्से ने अब यह मान लिया है कि पुराने जख्म को कुरेदते रहने की जगह, जो हो गया उसे स्वीकार कर अब बढ़ जाने में ही सबका भला है। सारे व्यवहारवादी तकाजों के बावजूद, एक सरासर अन्याय को बर्दाश्त भी नहीं किया जाना चाहिए, फिर उसे सही और उससे भी बढ़कर सब की आकांक्षाओं का प्रतिफल मानने की बात ही कहां उठती है। सिर्फ बहुसंख्या के दबाव से या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से हम न्याय-अन्याय को परिभाषित होने देंगे, तो तुर्की के हजिया सोफिया के एक संग्रहालय से मस्जिद में तब्दील कर दिए जाने का हम कैसे विरोध करेंगे, जबकि उक्त फैसले पर भी तुर्की की शीर्ष अदालत की मोहर लगी हुई है। और जैसे प्रधानमंत्री मोदी कोरोना महामारी के बीच, सारे सरकारी ताम-झाम के साथ अयोध्या में विवादित रही जगह पर मंदिर का भूमि पूजन करने के लिए पहुंचे थे, उसी तरह तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन हजिया सोफिया के मस्जिद में रूपांतरण के बाद, जुमा की पहली नमाज की अगुआई करने के लिए पहुंचे थे। अगर, नौ सौ साल गिरजा रहने के बाद, हजिया सोफिया का मस्जिद बनाया जाना और कमाल अतातुर्क द्वारा उसे मस्जिद से संग्रहालय में तब्दील कर इस अन्याय का एक हद तक परिमार्जन किए जाने के बाद, तुर्की के वर्तमान शासक द्वारा दोबारा उसका मस्जिद में तब्दील किया जाना, सिर्फ इसलिए न्याय नहीं हो जाता है कि उसको न्यायपालिका समेत मौजूदा राज्य तथा शासक का अनुमोदन हासिल है, तो बाबरी मस्जिद की जगह मंदिर बनाया जाना भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले और प्रधानमंत्री के भूमि पूजन के बाद भी, रहेगा अन्याय ही। प्रधानमंत्री के भाषण में और उनके पूरे अयोध्या कार्यक्रम में ही, एक परोक्ष किंतु जरा भी न छुपाया जा रहा इशारा और था। इशारा था, राममयता से भारतीय परंपरा, संस्कृति, धर्म, संक्षेप में भारतीयता की परिभाषा का।

राममयता और भारतीयता को इस तरह मिलाया जा रहा था कि जो कुछ राममय नहीं है, वह अभारतीय या कमतर भारतीय हो जाता था। यहां राम जन्मभूमि के दावे के सामने, किसी और धार्मिक स्थल के बने रहने की कोई वैधता ही नहीं रह जाती थी। फिर प्रधानमंत्री ने तो भारतीय की इस धार्मिक परिभाषा को और भी आगे बढ़ाते हुए, अन्य यानी इस धार्मिक परिभाषा में न आने वालों के लिए कोई जगह ही नहीं रहने दी, हाशिए तक पर नहीं।

सम्पादकीय संवेदनशील हो उपचार

निस्संदेह कोरोना संकट के दौर में हमारे चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, मगर बीच-बीच में ऐसी विचलित करने वाली घटनाएं सामने आती हैं, जो हमारे चिकित्सा तंत्र पर भरोसे को डिगाती हैं। हाल ही में अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में तड़के लगी आग में कोविड-19 के आठ मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई। विडंबना यह है कि आग अस्पताल के आईसीयू वार्ड में लगी। जाहिर है यहां गंभीर रोगी ही भर्ती किये जाते हैं। जाहिरा बात है कि ये आठ रोगी गंभीर अवस्था में रहे होंगे, तभी वे अपना बचाव नहीं कर सके। घटना कहीं न कहीं मानवीय चूक को ही दर्शाती है। संक्रमण का भय इतना ज्यादा है कि कोविड मरीजों के पास कोई तिमारदार भी मौजूद नहीं रह सकता। यदि होते तो शायद अग्निकांड के शिकार लोगों में से कुछ की जान बच सकती थी। निस्संदेह आग किसी न किसी की लापरवाही से ही लगी होगी। लगता है समय रहते आग पर काबू पाने और फंसे मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश नहीं हो पायी। निस्संदेह घटना हृदयविदारक है। अस्पतालों में पहुंचे मरीजों को भरोसा होता है कि वे अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों की टीम की देखरेख में सुरक्षित हैं। ऐसे में यदि आम लोगों का भरोसा डिगता है तो उसे फिर से बहाल करना कठिन होगा। आखिर जब विकसित राज्य गुजरात के एक बड़े शहर में अस्पताल का ये आलम है तो देश के छोटे शहरों, कस्बों और गांवों के अस्पतालों का क्या हाल होगा? ऐसी घटनाओं से सबक लेकर आगे के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था करने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को टाला जा सके। जरूरत इस बात की है कि उन परिस्थितियों का गहराई से अवलोकन किया जाये, जिनमें ऐसे हादसों की संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। खासकर ऐसे दौर में जब पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। छोटी चूक भी बड़ी मुसीबत का सबब बन सकती है। हाल ही में पंजाब के एक नामी अस्पताल में कोविड-19 से मरने वाले मरीजों के बैड के नीचे पड़े शवों के चित्र कतिपय समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए। ये चित्र विचलित करते हैं। उन मरीजों पर इनका घातक असर पड़ता है जो अस्पताल में उपचार करवा रहे होते हैं। आरोप लगाया जा रहा था कि मरीज संक्रमण से तड़फते रहे और उनकी समय रहते देखभाल नहीं हुई। ऐसे ही खबरें दिल्ली के एक नामी सरकारी अस्पताल से भी आई थीं। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकारा था। कमोबेश ऐसी लापरवाही की खबरें देश के विभिन्न भागों से गाहे-बगाहे आती रही हैं, जो कोरोना के मरीजों को आतंकित करती हैं। कहीं मरीजों के बीच शवों के पड़े होने की खबरें आयीं। इस पर संवेदनहीन जवाब सामने आए कि हम पहले बीमारों का इलाज करें या शवों को हटायें। कई जगह शवों के बदलने से परिजनों में रोष देखा गया। ऐसे में उच्चस्तर पर कोविड अस्पतालों की निगरानी में तालमेल जरूरी है। निस्संदेह, सरकारी अस्पताल भी इस महामारी के दौर में भारी दबाव में हैं। डॉक्टरों, नर्सों और चिकित्साकर्मियों को खुद भी संक्रमण का खतरा है। ऐसे वक्त में जब खून के रिश्ते वाले भी अपनों के शव लेने से कतरा रहे हैं और उनके दाह संस्कार तक से कन्नी काट रहे हैं, चिकित्साकर्मियों का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। दरअसल, इस भयावह रोग ने शरीर के साथ-साथ मन-मस्तिष्क तक पर गहरा आघात किया है। लोग अज्ञात भय से जूझ रहे हैं। रोगी के साथ कोई परिजन रह नहीं सकता। रोग का कारगर उपचार उपलब्ध नहीं है। रोगी को कई तरह के मनोवैज्ञानिक दंशों से भी जूझना पड़ रहा है, जिसके चलते रोग के भय तथा अस्पतालों में एकाकीपन के चलते कई रोगियों ने आत्महत्याएं तक की हैं। ऐसे में मरीजों को उपचार के साथ-साथ पुचकार की भी जरूरत है। जिसके लिये चिकित्सक बिरादरी व नर्सों से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है। तभी हम इस संकट से उबर पायेंगे।

वक्त की शिक्षा

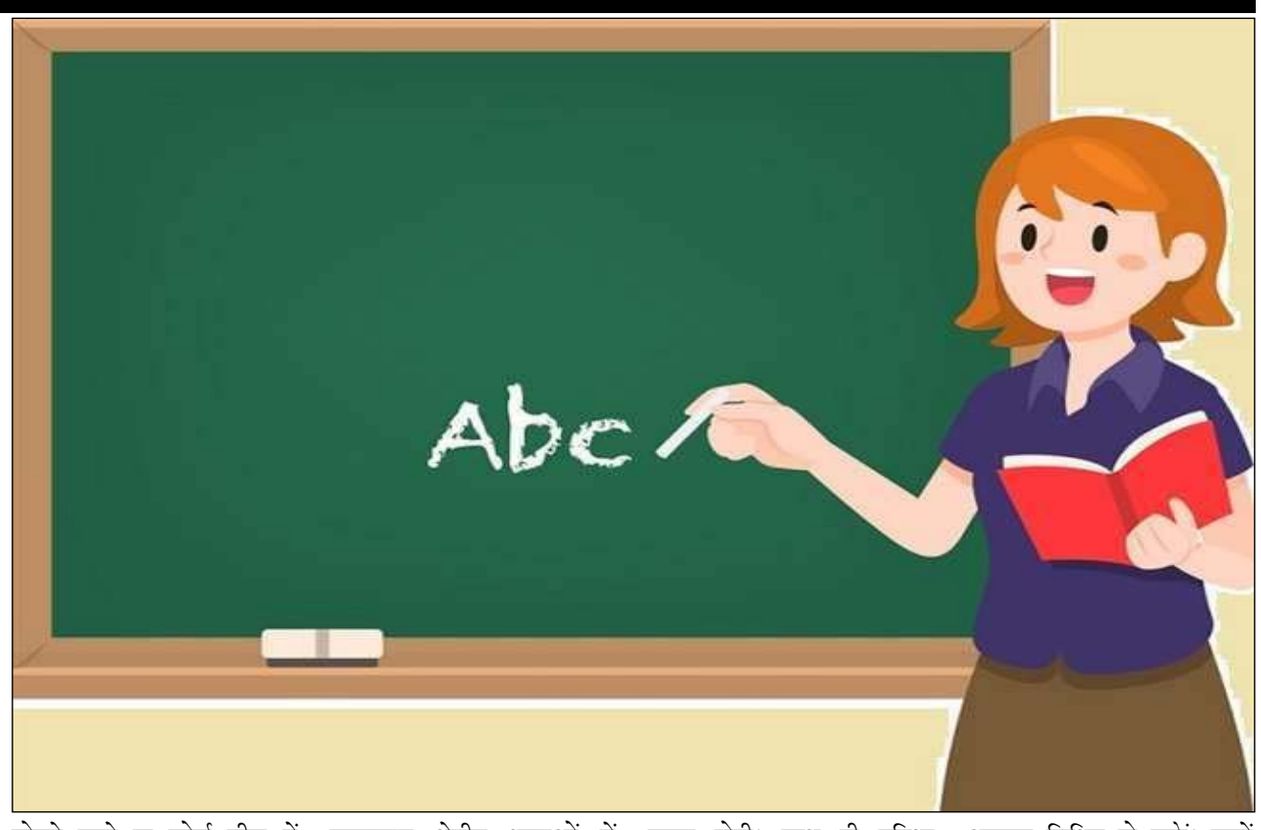

करीब साढ़े तीन दशक बाद देश की शिक्षा नीति में बदलाव राष्ट्रीय आकांक्षाओं व वक्त की जरूरतों को किस हद तक पूरा करेगा, यह इसके क्रियान्वयन के तौर-तरीकों पर निर्भर करेगा। मगर, एक बात तय है कि ग्लोबल आर्थिकी के दौर में रोजगारों के बदलते परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा हम अपने नौनिहालों को नहीं दे पा रहे थे। निजी व सरकारी शिक्षा संस्थानों की शैक्षिक गुणवत्ता व संसाधनों के बीच की खाई सामाजिक असंतोष का कारण बन रही थी। बहरहाल, वर्ष 2014 के घोषणापत्र में शिक्षा नीति में बदलाव का उद्घोष करने वाली भाजपा को सरकार बनने के बाद, इसे अंतिम रूप देने में करीब छह साल लग गये, अब कोशिश हो कि इसके क्रियान्वयन में पारदर्शिता व तेजी लायी जाये। यह अच्छी बात है कि सरकार ने नये शैक्षिक ढांचे में जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने का फैसला किया है जो अब तक 4.4 फीसदी था। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के ढांचे में बदलाव व बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा देने जैसे बदलाव पहली नजर में सकारात्मक लगते हैं, लेकिन जरूरत इस बात की है कि नये पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया जाये और शिक्षण संस्थानों को पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जायें। निजी व सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों में एक तरह के मापदंड लागू करने और फीस को लेकर पारदर्शिता कायम करने की मंशा स्वागत योग्य है, बशर्ते क्रियान्वयन में गंभीरता दिखाई जाये। इसरो के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की समिति ने नई शिक्षा नीति का मसौदा तैयार किया है, जिसे बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने मंजूरी दी। इसमें प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक में बड़े बदलाव किये गये हैं। पांचवीं तक मातृभाषा व स्थानीय भाषा को पढ़ाई का माध्यम रखा गया है। विदेशी भाषाओं को दूसरे स्थान पर रखा गया है। निस्संदेह इससे बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा की पारी शुरू करने में आसानी रहेगी। नई शिक्षा नीति का सकारात्मक पहलू यह भी है कि छठी क्लास के बाद व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किये जाएंगे और इसके बाद उनकी इंटर्नशिप भी करवायी जायेगी। संगीत व कला से जुड़े विषयों को प्रोत्साहन दिया जायेगा। कानून व मेडिकल शिक्षा को छोड़कर उच्च शिक्षा के लिए भारत उच्च शिक्षा आयोग का गठन किया जायेगा। पहली बार मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम लागू किया जायेगा, जिसमें बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले या कोर्स बीच में छोड़कर दूसरा कोर्स ज्वाइन कर सकते हैं। पहले साल के कोर्स के बाद उन्हें सर्टिफिकेट, दो साल के बाद डिप्लोमा और तीन साल के बाद डिग्री मिल सकेगी। यह सुखद है कि देश में शोध व अनुसंधान संस्कृति विकसित करने के लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की जायेगी। कोरोना संकट के दौर में उत्पन्न विसंगतियों को देखते हुए ई-पाठ्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं में विकसित करने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए वर्चुअल लैब विकसित की जायेगी। साथ ही राष्ट्रीय शैक्षिक टेक्नोलॉजी फोरम बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए दरवाजे भी खोल दिये हैं। निश्चित रूप से लाखों छात्रों के विदेश जाने पर खर्च होने वाली अरबों डॉलर की बचत होगी। साथ ही प्रतिभा पलायन को भी रोका जा सकेगा। बहरहाल, नई शिक्षा नीति शिक्षा की गुणवत्ता तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। आवश्यकता इस बात की भी है कि नई जरूरतों के मुताबिक शिक्षकों को नवोन्मेषी बनाया जाये ताकि नये दौर की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। हमारे युवा अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा के अनुरूप शिक्षित हो सकें। उनमें कौशल विकास व अनुसंधान की प्रवृत्ति का विकास हो सके। जरूरत सरकारी शिक्षा और निजी शिक्षा के बीच की खाई को पाटने की भी है। शिक्षा रोजगारन्मुखी हो। ये लक्ष्य शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में समर्पण व सावधानी से ही हासिल किये जा सकेंगे। अन्यथा मानव संसाधन मंत्रालय का नाम शिक्षा मंत्रालय कर देने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

आजादी के सच्चे मायने कहीं खो ना जाएं

कुछ दिनों में भारत देश की आजादी के तिहत्तर साल पूरे होने जा रहे हैं। एक ऐसा दिन जिसे भारत के त्यौहार की तरह बना कर अपनी खुशी जताते है। किंतु इतने दिन की आजादी में हमने क्या पाया है यह समझना जरूरी है। तिहत्तर साल की आजादी में हमने क्या वही देश बनाया है जिसका सपना आजादी के समय हर भारतीय की आंखों में था। यह विचार करना जरूरी है कि हमने क्या पाया है और क्या दें रहें अपनी आने वाली पीढ़ी को ताकी आने वाला समय इस आजादी को उसी तरह से याद रख सकें, जिस तरह से हम रखतें हैं। 21 वीं सदी में हमारे देश की क्या स्थिति है। जब भ्रष्टाचार हमारे देश की नींव को खोखला कर आम इंसान के जीवन को पूरी तबाह कर रहा है। देश के आम लोगों का पैसा चुरा कर लोग बाहरी देशों में जा कर अपना जीवन आराम से गुजार रहे हैं और जिनका वह पैसा है वह दिन-रात खून के आंसू रो रहें हैं। आज दिल में एक विचार आया है कि क्या हमने यह आजादी इस लिए पाई थीं क्या कि चंद लोगों के हाथों में पैसा और ताकत रहें और पूरे देश की जनता अपना जीवन आभाव में जीतें रहें।

हमारे देश में 83.6 करोड़ के करीब ऐसे लोग हैं जिनके पास खाने के लिए दो वक्त का खाना भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर चंद लोग ऐसे हैं जिनकी थाली में रोज हजारों-लाखो का खर्चा होता है। हमें विचार करना होगा कि हम क्या कर रहे हैं अपने देश के लिए, जहां हम अपनों का ही जीवन मुश्किल बना रहें हैं। धर्म और जाति की राजनीति हमारे लिए एक आम बात है। हमारे यहां आम व्यक्ति का जीवन कितना भी अधिक दुखों से ग्रस्त हो किंतु हम वोट धर्म और जाति के आधार पर ही देते हैं। हमारे देश में प्रत्येक दिन धर्म और जाति के आधार पर अखबार और समाचार रंगे नजर आते हैं। कभी दलित के नाम पर कभी पंडित, तो कभी मुस्लिम किसी ना किसी को आधार बनाकर हमारे यह समाचार और अखबार हर दिन आम जनता को आजादी के मायने समझाते रहते हैं। 1947 में आजादी के समय बंटवारे की लकीर ने जमीन पर खींच कर जितना दर्द दिया। उससे कई अधिक दर्द आज की स्थिति देख होता है। जहां अपने स्वार्थ के लिए देश को बर्बाद किया जा रहा है। भ्रष्टाचार और स्वार्थ को हमने अपनी संस्कृति और जिंदगी का हिस्सा बना लिया है। हम अपने देश को खोखला कर रहें हैं। आज के समय में हम हर कार्य बस अपने लाभ के लिए कर रहे हैं। आज ताकत और रूपयां हर कोई किसी भी कीमत पर हासिल करना चाहता है। 2020 की शुरुआत से ही हम सभी देशवासी संघर्ष की स्थिति से गुजर रहे हैं। आज जब हम विश्व शक्ति बनने का सपना देख रहे हैं। उस समय दंगे, भ्रष्टाचार, धर्म के नाम पर राजनीति, शिक्षा के मंदिरों में साजिश और कानून का डंडा देखने के साथ ही साथ अब तक की सबसे खतरनाक महामारी से लड़ रहे हैं।

जल्द ही आजादी के 73 साल पूरे होने जा रहे हैं, किन्तु अभी तक हम अपने सभी देशवासियों रोटी, कपड़ा और मकान जैसी आम मौलिक जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाएं। जब कि यह हर व्यक्ति का मनुष्य होने का अधिकार है। जब लोग भूख से परेशान हो छत और अपनों की चाहत में कोषों मिल की दूरी पैदल तैं करें बिना अपने पैरों के छालों को देखें मौत के आगोश से भी ना डरें। तब यह विचार करना जरूरी है कि हम किसी बात की खुशी बना रहें हैं। यदि हमारे देश में कुछ राज्यों में हर साल आने वाली बाढ़ से बचाने के लिए सरकार कोई विचार करना जरूरी नहीं समझती है। चाहे फिर उस बाढ़ के पानी में इंसान का सब कुछ तबाह हो जाएं और भविष्य के सपने दम तोड़ दें। तब क्या एक दिन झंडा फैला कर हम झूठी मुस्कान दिखा कर महान देश होने का झूठा सपना कब तक देखने वाले है। हमें जमीनी तौर पर अपने यहां बदलाव करने की जरूरत है। देश हमारा है इसकी रक्षा हमें करनी है। इस देश में होने वाला प्रत्येक कार्य हमारा कार्य है। हम किसी झूठी उम्मीद के सहारे अपने देश को हजारों सालों तक कुछ चंद लोगों की ताकत का गुलाम नहीं बनने दें सकते हैं। हमें अपनी आवाज उठानी होगी और वह कार्य करने होंगे जिसमें हमारी आने वाली पीढ़ी के साथ ही साथ हमारे देश का भला हो। हमें एक देशवासी बन हर देशवासी के हित की बात सोचनी होंगी। धर्म और जाति के जहर से खुद को आने वाले कल को बचाने का प्रयास करना होगा। देश के लिए, देश की आबादी के लिए, देश की आजादी के लिए हमें अपनी आंखों पर पड़े पर्दों को हटा कर सच को अपना कर देश भलाई के लिए आवाज उठानी होगी। हम भारतीय है यह कहते हुए केवल गर्व ना हों, घमंड हो। हम भारतीय हैं 130 करोड़ जनसंख्या वाला लोकतांत्रिक देश। जहां हर कोई आजाद है हर किसी के पास मौलिक अधिकार ही नहीं मौलिक सुविधाएं भी हो।

इंग्लैंड का तीसरा विकेट गिरा

पाकिस्तान ने दिया 277 रन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच मैनचेस्टर में जारी है। इस मैच की दूसरी पारी में पाकिस्तान की टीम 169 रन पर ऑलआउट हो गई। अब उसकी कुल बढ़त 276 रन की हो गई है और इंग्लैंड को इस मैच को जीतने के लिए 277 रन की जरूरत है। दूसरी पारी में खबर लिखे जाने तक इंग्लैंड की टीम ने तीन विकेट खोकर 105 रन बना लिए हैं। इस मैच में टॉस जीतकर पहली पारी में पहले बल्लेबाजी करने वाली पाकिस्तान की टीम ने शान मसूद की शतकीय पारी की बदौलत 326 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने धराशाई हो गई और पूरी टीम 219 रन पर ऑल आउट हो गई। पहली पारी के आधार पर पाकिस्तान को 107 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हुई थी। वहीं दूसरी पारी में पाकिस्तान की टीम के बल्लेबाज नहीं चले और पूरी टीम 169 रन की बना पाई। दूसरी पारी में इंग्लैंड को पहला झटका मो. अब्बास ने दिया। उन्होंनो रोरी बर्न्स को 10 रन से निजी स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। डॉम सिब्ले और कप्तान जो रूट की साझेदारी को यासिर शाह ने तोड़ा। सिब्ले 114 गेंद पर 36 रन बनाकर असद शफीक को कैच दे बैठे। कप्तान जो रूट का विकेट पाकिस्तान की झोली में युवा नसीम शाह ने डाला। 84 गेंद पर 48 रन की पारी खेलकर वह बाबर आजम को कैच थमा बैठे। पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज शान मसूद ने पहली पारी में जानदार शतक लगाया था, लेकिन दूसरी पारी में वो अपना जलवा नहीं दिखा पाए। उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड ने खाता भी नहीं खेलने दिया और वो उनकी गेंद पर जोस बटलर को अपना कैच थमा बैठे। आबिद अली ने 20 रन पर डोम बेस की गेंद पर वोक्स को अपना कैच थमा दिया, तो वहीं बाबर आजम इस पारी में 5 पर पर ही अपना विकेट गंवा बैठे। उन्हें क्रिस वोक्स ने स्टोक्स के हाथों कैच करवा दिया। कप्तान अजहर अली दूसरी पारी में भी रन बनाने में कामयाब नहीं रहे और उन्होंने 18 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। उन्हें क्रिस वोक्स ने स्टोक्स के हाथों कैच आउट करवा दिया। पाकिस्तान का पांचवां विकेट असद शफीक के रूप में गिया। वो 29 रन बनाकर रन आउट हो गए। रिजवान को बेन स्टोक्स ने 27 रन पर जबकि शादाब खान को ब्रॉड ने 15 रन पर [illegible] आउट कर दिया। शाहीन अफरीदी 2 रन बनाकर स्टोक्स की गेंद पर आउट हुए। याशिर शाह 33 रन बनाकर जबकि नसीम शाह 4 रन बनाकर आउट हो गए। पहली पारी में पाकिस्तान के 326 रन के जवाब में इंग्लैंड को पहला झटका महज 4 रन पर ही लग गया। ओपनर बल्लेबाज रोरी बर्न्स को शाहिन अफरीदी ने 4 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इंग्लैंड को दूसरा झटका मो. अब्बास ने सिब्ले को 8 रन पर आउट करके दिया। इसके बाद तीसरा विकेट भी अब्बास ने ही लिया और बेन स्टोक्स को बिना खाता खोले ही क्लीन बोल्ड कर दिया। टीम के कप्तान जो रूट ने 14 रन बनाए और उनकी पारी का अंत यासिर शाह ने कर दिया। ओली पोप ने अच्छा संघर्ष दिखाते हुए 62 रन बनाए और नसीम खान ने उन्हें शादाब खान के हाथों कैच करवा दिया। जोस बटलर को याशिर शाह ने 38 रन पर जबकि क्रिस वोक्स को भी याशिर शाह ने ही 19 रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। डोमिनिक बेस को याशिर शाह ने एक रन पर कैच आउट करवा दिया। जोफ्रा आर्चर को शादाब खान ने 16 रन पर रिजवान के हाथों कैच आउट करवा दिया। जेम्स एंडरसन 7 रन बनाकर आउट हो गए जबकि ब्रॉड 29 रन बनाकर नाबाद रहे। एंडरसन को शादाब खान ने आउट किया। पाकिस्तान की तरफ से पहली पारी में याशिर शाह ने 4, मो. अब्बास व शादाब खान ने 2-2 जबकि शाहिन अफरीदी और नसीम शाह ने एक-एक सफलता अर्जित की। पाकिस्तान की टीम ने अपना पहला विकेट ओपनर आबिद अली के तौर पर खोया। आबिद अली को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 16 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। टीम के कप्तान अजहर अली को क्रिस वोक्स ने शून्य पर [illegible] आउट कर दिया। बाबर आजम ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन खेल के दूसरे दिन वो 69 रन से आगे नहीं बढ़ सके और जेम्स एंडरसन की गेंद पर उनका कैच जो रूट ने लपक लिया। असद शफीक को 7 रन पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने बेन स्टोक्स के हाथों कैच आउट करवाकर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। पाकिस्तान को पांचवां झटका मोहम्मद रिजवान के तौर पर गिरा। उन्होंने 9 रन की निजी स्कोर पर क्रिस वोक्स ने 9 रन पर जोस बटलर के हाथों कैच आउट करवा दिया। टीम का छठा विकेट शादाब खान के तौर पर गिरा और उन्होंने 45 रन की अहम पारी खेली। शादाब को डोम बेस ने जो रूट के हाथों कैच आउट करवा दिया। याशिर शाह को जोफ्रा आर्चर ने 5 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट किया जबकि मो. अब्बास को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। शान मसूद ने 156 रन की पारी खेली और वो स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर [illegible] आउट हुए। डॉम सिब्ले, रोरी बर्न्स, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जोस बटलर (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, जोफ्रा आर्चर, जेम्स एंडरसन। शान मसूद, आबिद अली, अजहर अली (कप्तान), बाबर आजम, असद शफीक, शादाब खान, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), यासिर शाह, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद अब्बास, नसीम शाह।

युजवेंद्र चहल ने आईपीएल 2020 से पहले की सगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्र सिंह चहल ने अपने क्रिकेट फैंस को चौंका दिया। चहल ने शनिवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के जरिए बताया कि उन्होंने सगाई कर ली है। चहल हमेशा से ही सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहते हैं और अपने वीडियोज के जरिए क्रिकेट फैंस का मनोरंजन करते रहते हैं। हालांकि, इस बात का अंदेशा किसी को नहीं था कि वो इस तरह से अपने फैंस को सरप्राइज देंगे। चहल ने जिनसे सगाई की है उनका नाम धनश्री वर्मा है। वो पेशे से डॉक्टर हैं और कोरियाग्राफर हैं। दोनों ने हाल ही में ऑनलाइन लूडो खेलने की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी। चहल की तरह से धनश्री सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम पेज पर लगभग 5 लाख फॉलोअर भी हैं। वो अक्सर डांस के वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं।

चहल ने धनश्री के साथ सगाई करने के बाद और अपनी होने वाली जीवन संगिनी की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में चहल व उनकी होने वाली पत्नी काफी खुश नजर आ रहे हैं। चहल ने क्रीम कलर की शेरवानी पहन रखी है जबकि उनकी होने वाली जीवनसाथी ने हल्के बैंगनी रंग का लहंगा पहन रखा है। उन्होंने कैप्शन दिया कि हमने एक-दूसरे को हां कहा, हमारे परिवार के साथ। इसके साथ उन्होंने एक दिल वाली इमोजी भी लगाई। युजवेंद्र चहल भी इन दिनों अब आइपीएल की तैयारी कर रहे हैं। इस साल आइपीएल का 13वां सीजन यूएई में खेला जाएगा। चहल इस बार भी विराट कोहली की टीम आरसीबी का हिस्सा हैं। यूएई में इस लीग का फाइनल मुकाबला 10 नवंबर को खेला जाएगा। इस लीग से पहले चहल ने अपने क्रिकेट फैंस को बेहद खुशी की खबर दी है। चहल ने पिछले आइपीएल सीजन में अपनी टीम आरसीबी के लिए 21.44 की औसत से गेंदबाजी करते हुए कुल 18 विकेट लिए थे। चहल के सगाई करने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। फैंस के अलावा उन्हें इरफान पठान, आकाश चोपड़ा, चेन्नई सुपर किंग्स टीम की तरफ से भी बधाई मिली है।

इंग्लैंड के सामने 5 दिनों तक नहीं टिक पाएगी वेस्टइंडीज की टीम- ब्रायन लारा

लंदन, एजेंसी। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज ब्रायन लारा ने साफ कर दिया है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में कैरेबियाई टीम पांच दिनों तक उनके सामने नहीं टिक पाएगी। उन्होंने कहा कि इन मैचों को चार दिवसीय मैचों की तरह की समझना चाहिए क्योंकि मेहमान टीम के पास पांच दिनों तक टिके रहने की क्षमता नहीं है। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के 51 वर्षीय पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा कि कैरेबियाई टीम के पास बेहतरीन और काफी मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी ज्यादा दम नहीं है और ये काफी चिंता की बात है। लारा ने टीम की बल्लेबाजी को देखते हुए ही इस तरह की बात कही है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत बुधवार से साउथैंप्टन में जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में होगी। इसके साथ ही कोरोना वायरस महामारी के कारण मार्च में निलंबन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी। बीबीसी स्पोर्ट ने लारा के हवाले से कहा कि वेस्टइंडीज की टीम को तुरंत दबदबा बनाना होगा। इंग्लैंड को उनकी ही धरती पर आसानी से नहीं हराया जा सकता और वे जीत के प्रबल दावेदार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इंग्लैंड पर दबदबा बनाना होगा, मुझे नहीं लगता कि वे पांच दिन तक टिक पाएंगे इसलिए उन्हें इन मैचों को चार दिवसीय मैचों की तरह लेना होगा। उन्हें बढ़त लेनी होगी और इसे बरकरार रखना होगा। वेस्टइंडीज की ओर से 131 टेस्ट में 11953 रन बनाने वाले लारा ने कहा कि मेहमान टीम के लिए इंग्लैंड के हालात से तालमेल बैठाना अहम होगा। विजडन ट्रॉफी अभी वेस्टइंडीज के पास है जिसने पिछले साल कैरेबिया में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर इसे जीता था। बायें हाथ के पूर्व बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा कि वेस्टइंडीज अगर सीरीज जीतता है तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी क्योंकि वह 1988 से इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने में नाकाम रहा है। टेस्ट क्रिकेट में 34 शतक जड़ने वाले लारा ने कहा कि यह ऐसी सीरीज है जो पूरी दुनिया में देखी जाएगी और सभी को प्रतिस्पर्धी श्रृंखला की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगर वेस्टइंडीज जीतता है तो यह उन सभी के लिए काफी मायने रखता है।

धौनी का सलेक्शन करने वाले मुख्य चयनकर्ता बोले उनकी उपलब्धियों पर पिता जैसा गर्व महसूस होता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता किरण मोरे ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी की सफलता को उनकी कड़ी मेहनत मानते है। मोरे ने कहा कि वह हमेशा ही इस बात पर भरोसा रखते थे कि जैसा टैलेंट धौनी के अंदर है वो इंटरनेशनल क्रिकेट में जरूर सफलता हासिल करेंगे। जब भारतीय टीम के लिए धौनी को खेलने का मौका मिला तो उन्होंने मोरे की बात को सही साबित किया। साल 2004 में धौनी ने भारत की तरफ से बांग्लादेश के खिलाफ डेब्यू किया था तब से अब तक उनका सफर बेहद ही शानदार रहा है। उन्होंने टीम इंडिया की कमान संभाली और दो बार (2007 में टी20 और 2011 में वनडे) विश्व कप चैंपियन बनाया। मोरे ने आईएएनएस से धौनी के 39 जन्मदिन पर बात करते हुए बताया कि उनकी उपलब्धियों को देखकर पिता जैसे गर्व महसूस होता है। ÷वो हमेशा से ही टैलेंटेड थे। उनके अंदर कुछ तो बहुत ही खास था। जब आप भारत के लिए खेलने जाते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो स्टार बन जाते हैं। उनको प्रदर्शन करने के लिए मंच दिया गया और उन्होंने इस मौके को दोनों ही हाथों से लपका। वह इसके बाद भारत के कप्तान बने और साल 2007 में टी20 विश्व कप जीता यहां से उनका ग्राफ उपर ही चढ़ता गया। उनको टेस्ट में भी टीम इंडिया की कप्तानी का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने साल 2011 में विश्व कप जीता। उनके ये पूछे जाने पर कि क्या उनके एक पिता के जैसे गर्व होता है धौनी की उपलब्धियों और भारतीय क्रिकेट में दिए योगदान को देखने के बाद। मोरे ने कहा कि हां, उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है घर पर बैठकर यह सोचने में काफी अच्छा लगता है। यह वाकई बहुत ही कमाल है वही काफी सफल रहे। जब आप एक चयनकर्ता होते हैं तो आप हमेशा ही अच्छे क्रिकेटर की तलाश करते हैं। यही आपका काम होता है और मैं अकेले इस चीज का श्रेय नहीं ले सकता और भी लोग थे उस समय मेरे साथ। आप एक क्रिकेटर का चयन करते हैं और जब आप एक क्रिकेटर को चुनते हैं और वह अच्छा करता है टीम को मैच में जीत दिलाता है तो आपको काफी अच्छा लगता है, गर्व महसूस करते हैं। धौनी दुनिया के एक मात्र कप्तान हैं जिन्होंने टी20 और वनडे विश्व कप जीतने के साथ साथ चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी जीता है। इसके अलावा उन्होंने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को टेस्ट और वनडे में नंबर एक टीम भी बनाया। जब धौनी के बारे में एक क्वालिटी के बारे में पूछा जाता है जिसने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है वो उनके खेल ने का तरीका है। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह क्रिकेट खेलते हैं वो ही क्वालिटी है। पहले दिन से आज तक वह उसी तरीके से क्रिकेट खेलते आ रहे हैं और उनके अंदर मैच जीतने का बहुत ही कमाल का एटिट्यूट है। वह एक टीम मैन हैं, एक ऐसा इंसान जो बेहद विनम्र और जमीन से जुड़े हुए है। वह सभी चीजों को बेहद ही साधारण तरीके से रखते हैं किसी भी तरीके से कुछ भी उलझा हुआ नहीं है।

न्यूजीलैंड के 5 क्रिकेटरों को मिली सीपीएल में खेलने की अनुमति

ऑकलैंड, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग यानी सीपीएल 2020 का आयोजन अगस्त से सितंबर तक होना है। इसके लिए 6 टीमों का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। इसमें न्यूजीलैंड के 5 खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। वहीं, न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भी अपने इन खिलाड़ियों को सीपीएल में खेलने की अनुमति दे दी है। इस साल न्यूजीलैंड की ओर से सीपीएल में खेलने वाले खिलाड़ियों में रोस टेलर का भी नाम शामिल है। कीवी दिग्गज रोस टेलर के अलावा 4 अन्य खिलाड़ियों को भी कैरेबियन प्रीमियर लीग के लिए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट यानी एनओसी मिल गई है। रोस टेलर, कोलिन मुनरो, टिम साइफर्ट, ईश सोढ़ी और ग्लेन फिलिप्स को सीपीएल खेलने का मौका मिलेगा। टेलर गुयाना अमेजन वॉरियर्स, मुनरो और साइफर्ट ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, ईश सोढ़ी सेंट किट्स एंड नेविस पेट्रियोट्स और फिलिप्स जमैका थलावाज के लिए सीपीएल में खेलेंगे। न्यूजीलैंड टीम के ये पांच खिलाड़ी कोरोना वायरस महामारी के बीच प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उतरने वाले हैं। सीपीएल की शुरुआत कोरोना के बीच 18 अगस्त से होगी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के इस सीजन का फाइनल 10 सितंबर को खेला जाएगा। लीग के सभी मुकाबले सिर्फ दो मैदानों पर होंगे, जिसमें त्रिनिदाद और टोबैगो का नाम शामिल है। सीपीएल के आयोजकों ने ये फैसला कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए लिया है कि कम समय में मुकाबले सुरक्षित वातावरण में हो सकें। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के प्रवक्ता ने कहा है कि 5 खिलाड़ियों को एनओसी दे दी गई है। प्रवक्ता ने ये भी कहा है कि टूर्नामेंट से लौटने के बाद इन खिलाड़ियों को भी वही क्वारंटाइन प्रक्रिया अपनानी होगी, जो अन्य यात्री स्वदेश लौटने के बाद अपना रहे हैं। बता दें कि न्यूजीलैंड के क्रिकेटरों ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 13 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद उस सीरीज को स्थगित कर दिया गया था और क्रिकेट पूरी तरह से बंद हो गया था।

श्रीसंत ने भारत की प्लेइंग इलेवन में खुद को किया शामिल,इन दिग्गजों को चुना है कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने साल 2007 में टी20 वर्ल्ड कप और साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी में जीता है। भारत की इस टीम का हिस्सा तेज गेंदबाज एस श्रीसंत भी थे, लेकिन अब जब उन्होंने भारत की प्लेइंग इलेवन चुनी है तो उसमें एमएस धौनी को बतौर कप्तान जगह नहीं दी है। श्रीसंत ने ऐसी प्लेइंग इलेवन चुनी है, जो तीनों फॉर्मेट(टेस्ट, वनडे और टी20) में खेल सकती है। इस टीम में श्रीसंत ने खुद को भी जगह दी है। देश के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले 37 वर्षीय श्रीसंत ने क्रमशः 87, 75 और 7 विकेट अपने करियर में चटकाए हैं, लेकिन 2013 के स्पॉट फिक्सिंग मामले में उनको दोषी पाया गया था। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने उनको आजीवन बैन कर दिया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की वजह से बीसीसीआइ के लोकपाल ने श्रीसंत का बैन 7 साल का कर दिया था, जो सितंबर 2020 में खत्म हो रहा है। श्रीसंत ने साथ बातचीत करते हुए देश के उन 11 खिलाड़ियों को चुना है, जो मौजूदा समय में तीनों फॉर्मेट में खेल सकते हैं। श्रीसंत ने इस टीम में खुद के अलावा सुरेश रैना को भी जगह दी है, जो काफी समय से टीम से बाहर हैं। वहीं, कप्तान के तौर पर श्रीसंत ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को चुना है। श्रीसंत ने रोहित को टी20 टीम, जबकि वनडे और टेस्ट के लिए विराट को चुना है, लेकिन महेंद्र सिंह धौनी को उन्होंने कप्तान नहीं बनाया है। उन्होंने कहा है, ÷मैं पुरजोर तरीके से सभी प्रारूपों के लिए एक टीम में विश्वास करता हूं। सुरेश रैना वह हैं जो बहुत अधिक प्रशंसा के पात्र हैं। विराट के लिए पूरे सम्मान के साथ रोहित टी20 में कप्तानी करेंगे और कोहली अन्य सभी प्रारूपों में कप्तान का भार उठा सकते हैं। श्रीसंत की इस टीम में ओपनर के तौर पर शिखर धवन और रोहित शर्मा हैं, जबकि नंबर तीन पर विराट कोहली और नंबर 4 पर उन्होंने सुरेश रैना को जगह दी है। श्रीसंत ने नंबर 5 के लिए केएल राहुल को चुना है, जबकि नंबर 6 पर उन्होंने महेंद्र सिंह धौनी को जगह दी है, जो कि टीम के विकेटकीपर भी हैं। केएल राहुल की तारीफ में श्रीसंत ने कहा है कि वे बतौर बल्लेबाज या बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज चयनकर्ताओं को निराश नहीं करेंगे। टीम में हार्दिक पांड्या और रवींद्र जड़ेजा दो ऑलराउंडर हैं, जबकि कुलदीप यादव एकमात्र स्पिनर हैं। तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने खुद को जसप्रीत बुमराह को चुना है।

दो ऑलराउंडर कप्तानों की भिड़ंत में स्टोक्स पर हावी रहेंगे जेसन होल्डर- फिल सिमंस

साउथैंप्टन, एजेंसी। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच बुधवार से से खेलना है और इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर कैरेबियाई टीम के लिए जीत तो आसान नहीं होने वाला है, लेकिन इससे पहले मेहमान टीम के कोच फिल सिमंस का कुछ और ही मानना है। फिल सिमंस ने कहा है कि पहले टेस्ट में हमें दो ऑलराउंडर कप्तानों के बीच टक्कर देखने को मिलेगी और जेसन होल्डर बेन स्टोक्स पर भारी पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों टॉप लेवल के ऑलराउंडर हैं और वे अपनी-अपनी टीमों की अगुआई करेंगे। सिमंस ने कहा कि बेन स्टोक्स ऐसे खिलाड़ी है जो आगे बढ़कर टीम की अगुआई करता है। क्रिकेट में उनका प्रदर्शन इसका गवाह है इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उन्हें जल्दी आउट कर दें क्योंकि उन्हें टीम की जरूरत के अनुसार प्रदर्शन करना पसंद है। सिमंस ने कहा कि आप फायदे की स्थिति का किस तरह से उपयोग करते हैं इसको लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। रूट टीम में नहीं है लेकिन कुछ युवा खिलाड़ी इस मौके का फायदा उठाना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे खिलाड़ी मुसीबत बन जाते हैं जिनके बारे में आप कम जानते हो इसलिए आप यदि इसे लाभ की स्थिति मानते हैं तो आपको बेहद सतर्क रहना होगा। सिमन्स ने कहा कि स्टोक्स का कप्तान के रूप में कम अनुभव कोई मसला नहीं है क्योंकि उन्हें सलाह देने के लिये जेम्स एंडरसन और क्रिस ब्रॉड रहेंगे। उन्होंने कहा कि बेन ने इससे पहले कप्तानी नहीं की है लेकिन उनकी टीम सफल है और इससे मदद मिलती है। उन्हें जिम्मी और ब्रॉड जैसे अनुभवी साथियों का साथ मिलेगा। कोरोना महामारी के बीच दोनों देशों के बीच ये मुकाबला देखने के लिए सभी क्रिकेट फैंस बेताब हैं। इसके अलावा आइसीसी के नए नियमों के बीच इसे खेला जाना भी खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती होगी तो वहीं स्टेडियम में दर्शकों के ना होने से खेल में कितना रोमांच होगा ये भी देखना दिलचस्प होगा।

नागिन 5 का मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

हिना के साथ नजर आएंगे धीरज धूपर-मोहित मल्होत्रा

ये रिश्ता क्या कहलता है फेम एक्ट्रेस हिना खान अब एकता कपूर के मशहूर शो नागिन के पांचवे सीजन में नागिन के किरदार में नजर आएंगी। पिछले कई दिनों से इस शो को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच नागिन 5 का नया लुक रिलीज किया गया है। इस लुक में हिना खान के साथ एक्टर धीरज धूपर और मोहित मल्होत्रा का भी लुक मेकर्स ने जारी किया। लुक के साथ अब शो का एक मोशन पोस्टर भी मेकर्स ने रिलीज किया। इस मोशन पोस्टर में हिना, धीरज और मोहित तीनों दिखाई दे रहे हैं। हिना की तरह धीरज और मोहित भी अपने लुक में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं। हालांकि इस मोशन पोस्टर में एक्टर धीरज धूपर बिलकुल भी पहचान में नहीं आ रहे हैं। धीरज का लुक इसमें लंबे बाल, दाढ़ी-मूंछ, सांवला रंग, चेहरे पर कट का निशान और गुस्से वाली आंखें नजर आ रही हैं और अपने लुक से इंप्रेसिव धीरज कर रहे हैं। दूसरी तरफ एक्टर मोहित मल्होत्रा का लुक भी बेहद इंप्रेसिव है। मोहित इसमें मरून कलर का ऑउटफिट पहने नजर आ रहे हैं। 9 अगस्त से कलर्स चौनल पर नागिन 5 टेलीकास्ट हो रहा है। हर शनिवार और रविवार को 8 बजे यह शो आएगा। ये टीजर इंस्टाग्राम पर कलर्स ने साझा किया और लिखा, बीते हुए कल की गाथा को फिर जीने के लिए, आ रही है इच्छाधारी नागिन।

खबरों की माने तो अब तक की सभी नागिन में सबसे पावरफुल हिना खान को बताया जा रहा है। हालांकि यह भी खबरें सामने आई कि छोटा सा किरदार हिना खान का होगा। उसके बाद सुरभि चंदना उनके किरदार को आगे बढाएंगी। शो की लीड हीरोइन हिना के बाद वह होंगी। मौनी रॉय, सुरभि ज्योति, निया शर्मा नागिन का रोल हिना से पहले निभाया है। एकता कपूर की ये हिट फ्रेंचाइजी हैं। 8 अगस्त को खत्म नागिन 4 हो जाएगा। निया शर्मा और रश्मि देसाई लीड किरदार नागिन 4 में निभा रही हैं।

अभिषेक बच्चन को नहीं मिलेगी अभी अस्पताल से छुट्टी, अपना हेल्थ अपडेट किया शेयर

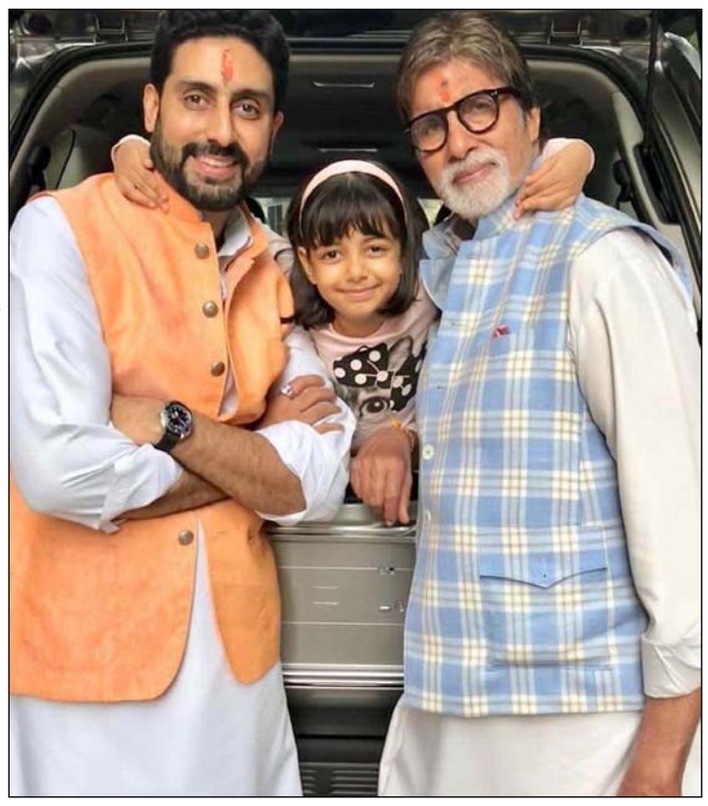

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और उनके परिवार पिछले महीने कोरोना पॉजिटिव पाए गये थे। हालांकि जया बच्चन की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। वैसे तो बिग बी, ऐश्वर्या राय बच्चन और अराधया बच्चन कोरोना मुक्त हो गए हैं। लेकिन अभिषेक बच्चन अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल में अब उनका मन बिलकुल नहीं लग रहा है। इसी बीच सोशल मीडिया पर अस्पताल के एक बोर्ड की अभिषेक ने तस्वीर साझा की है। उसमें उनका नाम है, अस्पताल में कितने दिन बिताए हैं यह सब लिखा हुआ है। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर अभिषेक बच्चन ने पोस्ट करते हुए लिखा, अस्पताल में दिनरू 26, डिस्चार्ज प्लान नहीं, चलो बच्चन तुम ये कर सकते हो। बता दें कि रक्षाबंधन का त्योहार अभिषेक बच्चन ने नहीं बनाया था क्योंकि वह अस्पताल में थे। हालांकि अमिताभ बच्चन ने अपने एक ब्लॉग में घर पहुंचकर लिखा था कि अभिषेक के लिए वह दुखी है। बिग बी ने ब्लॉग में लिखा था कि इस बात की खुशी है कि कोरोना से उन्हें मुक्ति मिल चुकी है लेकिन उन्हें अभिषेक के लिए बुरा लग रहा है वह ठीक नहीं हो पाए और अस्पताल में अभी भर्ती हैं। उन्होंने आगे लिखा था कि अस्पताल में हर शख्श जिस तरह हिम्मत से काम कर रहा है उसे देखकर उम्मीद बंध जाती है कि सब कुछ सही होगा। अस्पताल के स्टाफ को अमिताभ बच्चन ने शुक्रिया किया और बेटे अभिषेक के लिए लिखा, अभिषेक के लिए दुखी हूं... प्रार्थना करो की जल्दी ठीक हो जाए। बीते 11 जुलाई को मुंबई के नानावटी अस्पताल में अभिषेक और अमिताभ बच्चन एडमिट कोरोना पॉजिटिव आने के बाद हुए थे। उसके बाद ऐश्वर्या और अराध्या की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी जिसके बाद वह दोनों भी अस्पताल में भर्ती हो गयीं। कोरोना बच्चन परिवार में जया बच्चन को छोड़कर अन्य सदस्यों को हो गया था।

मैं जो भी हूं सुशांत की वजह से हूं, लेकिन अब डर लगता है

टीवी और फिल्मों के मशहूर ऐक्टर गुरमीत चौधरी और सुशांत सिंह राजपूत पक्के दोस्त थे। सुशांत की तरह ही गुरमीत ने भी टीवी से फिल्मों का सफर तय किया। सुशांत की मौत से गुरमीत बेहद आहत हैं। एक्सक्लूसिव बातचीत में गुरमीत ने कहा कि उनके घर के हर कोने में सुशांत की यादें बसी हैं। वह आज जो भी हैं, सुशांत की वजह से हैं। गुरमीत ने अपने करियर का पूरा श्रेय सुशांत को दिया है। वह कहते हैं कि यदि सुशांत टीवी से फिल्मों में नहीं जाते तो आज उन्हें भी शायद फिल्मों में काम नहीं मिलता।गुरमीत आगे कहते हैं, सुशांत ने हमलोगों के लिए एक राह बनाई। यदि वह फिल्मों में नहीं जाते और सफल नहीं होते तो शायद बॉलिवुड के मेकर्स कहते कि मुझसे कहते कि तुम्हें टीवी में दर्शकों ने खूब देखा है, भला बड़े पर्दे पर पैसा लगाकर कौन देखेगा। सुशांत ने टीवी सितारों को लेकर बॉलिवुड को नजरिया बदल दिया। सुशांत ने वह दीवार तोड़ी और इसी के बाद मैं भट्ट कैम्प की फिल्म से बॉलिवुड डेब्यू कर पाया। गुरमीत ने यह भी बताया कि वह और सुशांत बिहार के एक ही गांव से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में उनसे शुरू से एक गहरा नाता रहा है। गुरमीत चौधरी ने लोगों से अपील की है कि वह सुशांत के बारे में कुछ भी बोलने से पहले एक बार जरूर सोचें। वह कहते हैं, हम सभी को सुशांत की फैमिली की भावनाओं का खयाल रखना चाहिए। कुछ भी बोलने से पहले सोचना चाहिए कि उस परिवार पर क्या बीत रही है। मैं भी जानना चाहता हूं कि सच्चाई क्या है। सुशांत मेरा अपना था। मेरे घर के सोफे, कमरे के हर कोने में सुशांत की यादें बिखरी हैं। उनकी बहुत याद आती है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद कहीं ना कहीं फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को लेकर लोगों की एक अलग सोच बनने लगी है। इसका असर सबसे ज्यादा ऐक्टर्स की फैमिली पर हुआ है। गुरमीत बताते हैं, मुझे भी घरवालों और दोस्तों के खूब फोन कॉल्स आ रहे हैं। सब के अंदर एक डर बस गया है। लोग मुझसे कह रहे हैं कि तुम कुछ गलत मत करना, हम तुम्हारी फिल्में देखेंगे। इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन है।

सरोज खान की शोक सभा में सेलिब्रेशन चाहती हैं बेटी

चाहकर भी आ पाएंगी माधुरी दीक्षित

सरोज खान हमारे बीच अब नहीं रहीं। पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहीं सरोज खान पिछले दिनों 3 जुलाई को इस दुनिया से विदा हो गईं। उनके निधन के बाद सरोज खान के बच्चों ने सोशल मीडिया पर एक स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि कोरोना को लेकर वे अभी अपनी मां के लिए शोक सभा आयोजित नहीं कर रहे। उनकी सबसे छोटी बेटी सुकैना नागपाल ने एक्सक्लूसिव बातचीत में बताया कि अपनी मां की प्रेयर मीट में वह क्या करना चाहती हैं। सरोज खान की बेटी ने कहा है, अभी अगर शोक सभा रखें तो कौन आर्टिस्ट आना चाहेंगे या नहीं, ये नहीं पता। लेकिन माधुरी मैम आना चाहती हैं, वह कहती हैं- मेरे घर में 87 साल की मां हैं। अगर मैं आना भी चाहूं तो नहीं आ पाऊंगी क्योंकि ऐसा न हो कि मैं कुछ लेकर जाऊं और मेरी मम्मी की तबीयत खराब हो। मुझे लगता है उनका आना तो जरूरी है। वो मेरी बड़ी बहन की तरह है। राजू भैया (सरोज खान का बेटा) के बाद माधुरी मैम होनी चाहिए, क्योंकि वह उनकी बेटी की ही तरह थीं। हमेशा खड़ी रहीं हैं उनके साथ। बॉलिवुड की फेमस कोरियॉग्रफर सरोज खान का बीते शुक्रवार कार्डिएक अरेस्ट से निधन हो गया। सरोज खान के निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री शोक में है। आपको बता दें कि सरोज खान का शुरुआती जीवन काफी संघर्षभरा रहा। उन्हें फेम मिला तो इसके लिए उन्होंने खूब मेहनत की। उनकी सबसे छोटी बेटी सुकैना नागपाल ने एक्सक्लूसिव बातचीत में उनसे जुड़ी कई यादें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि सरोज खान कितने बड़े दिलवाली, मेहनती और खुद्दार महिला थीं। सुकैना ने अजीब इत्तेफाक का भी जिक्र किया जिसके चलते सरोज खान का अंतिम संस्कार भी उनके पैसे से ही हुआ। इन सबके अलावा सुकैना नागपाल ने और क्या कुछ कहा। सरोज खान ने अपने 40 साल से अधिक के करियर में 2000 से ज्यादा बॉलिवुड गानों को कोरियोग्राफ किया था। माधुरी दीक्षित, श्रीदेवी, ऐश्वर्या राय सहित कई बड़े स्टार्स को उन्होंने कोरियोग्राफ किया था। इन स्टार्स की सफलता का बड़ा क्रेडिट सरोज खान को जाता है। बॉलिवुड स्टार्स उन्हें मास्टरजी के नाम से बुलाते थे। सरोज खान 13 साल की उम्र से डांस की फील्ड में ऐक्टिव थीं। सरोज खान की श्रीदेवी से स्पेशल बॉन्डिंग थी। उनके कई हिट गानों को श्रीदेवी ने कोरियोग्राफ किया था। श्रीदेवी के निधन के बाद सरोज ने कहा था कि उनके साथ काम करके वह खुद को लकी मानती हैं। सरोज खान का असली नाम निर्मला किशनचंद साधु सिंह नागपाल था। वह जब 13 साल की थीं तो फेमस डांसर सोहनलाल ने उन्हें अपना असिस्टेंट बना लिया। सोहनलाल क्लासिकल डांसर थे उनके गाइडेंस में सरोज खान ने अपनी डांसिंग स्किल्स निखारीं। वह अपने डांस का क्रेडिट भी उन्हें ही देती थीं। उन्होंने कहा, बाकी डांसर्स, मैं शायद आपको नंबर नहीं बता सकती ..जिनसे मुझे दुआएं मिली हैं उनके लिए। इतनी दुआएं उनसे मिली हैं कि उन डांसर्स के लिए मुझे शोक सभा रखनी ही है। मैं चाहती हूं कि वे प्रेयर मीट में आएं। सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि प्रेयर मीट में क्या करते हैं, फैमिली को संवेदनाएं देने लोग आते हैं या उनसे आखिरी बार दिल की बात करने आते हैं, मगर जो भी करने आते हैं आप दुआ तो करके जाएंगे। शायद उस वजह से मुझे प्रेयर मीटिंग जरूर रखनी है। आज नहीं, दो महीने के बाद, चार महीने के बाद।

संजय लीला भंसाली बयान दर्ज कराने पहुंचे बांद्रा पुलिस स्टेशन

बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के मामले में पुलिस लगातार जांच कर रही है। इस मामले में सुशांत के साथ भेदभाव होने के आरोपों के बाद पुलिस प्रफेशनल राइवलरी के ऐंगल से जांच कर रही है। अब तक कई लोगों के बयान दर्ज किए जाने के बाद आज सोमवार को मशहूर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को पूछताछ के लिए बांद्रा पुलिस स्टेशन बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि सुशांत डिप्रेशन से जूझ रहे थे। अभी तक जिन लोगों से पूछताछ हो चुकी है उनमें सुशांत की कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती के अलावा रोहिणी अय्यर, सिद्धार्थ पिठानी, मुकेश छाबड़ा और संजना सांघी जैसे लोगों सहित यशराज फिल्म्स के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। अब संजय लीला भंसाली को भी बुलाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय लीला भंसाली ने अपनी कुछ बड़ी फिल्में सुशांत को ऑफर की थीं लेकिन एक प्रॉडक्शन हाउस के कॉन्ट्रैक्ट के चलते वह ये फिल्में नहीं कर पाए। बाद में एक खास ऐक्टर को ये सारी फिल्में मिलीं जबकि उस ऐक्टर का भी सुशांत की तरह उस प्रॉडक्शन हाउस से कॉन्ट्रैक्ट था। पुलिस इसी ऐंगल पर संजय लीला भंसाली से पूछताछ कर सकती है। बताया जा रहा है कि संजय लीला भंसाली ने सुशांत को गोलियों की रासलीला राम-लीला और बाजीराव मस्तानी सहित कुल 4 फिल्में ऑफर की थीं लेकिन सुशांत इनमें से किसी भी फिल्म में काम नहीं कर सके। यह भी कहा जाता है कि एक ऐक्टर के तौर पर संजय लीला भंसाली सुशांत को काफी पसंद करते थे।

आमिर और कंगना सहित इन सितारों ने जब करण को उनके ही शो में किया था ट्रोल

जमकर लगाई थी क्लास

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद से ही नेपोटिज्म का मुद्दा फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर से गरमाया हुआ है। कई लोगों का गुस्सा करण जौहर, एकता कपूर, सलमान खान सहित कई अन्य पर फूट रहा है। लोग नेपोटिज्म और गुटबाजी को बढ़ावा देने का आरोप इन सितारों पर लगातार लगा रहे हैं। खासतौर पर करण जौहर के शो कॉफी विद करण के कुछ वीडियो इस दौरान खूब वायरल हो रहे हैं। इन वीडियोज में साफ देखा जा सकता है कि कैसे करण बाकी सितारों के साथ आउटसाइडर्स का मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं। चलिए आपको ऐसे कुछ सितारों के बारे में बताते हैं जिन्होंने करण जौहर की बोलती बंद उनके ही शो कॉफी विद करण में करी थी।

आप सभी करण जौहर और कंगना रनौत के पंगे से अनजान नहीं हैं। कंगना रनौत करण जौहर के शो कॉफी विद करण में आई थी तब उन्होंने उन्हें मूवी माफिया बता दिया था। करण के शो में कंगना ने उन्हें खुलेआम कहा था कि नेपोटिज्म को बढ़ावा देने में इंडस्ट्री में वह सबसे आगे हैं। करण जौहर को ट्रोल करने के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा ने भी मौका नहीं छोड़ा था। कोंकणा से शो के दौरान करण जौहर ने पूछा कि शिद्दी सिनेमा में ओवररेटेड अभिनेता कौन है? कोंकणा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे में करण जौहर। दरअसल करण जौहर ने इस फिल्म में कैमियो रोल किया था। करण जौहर ने अपने शो क्र एक एपिसोड में एक्ट्रेस काजोल से पूछा था कि ऐसा कौन सा सेलिब्रिटी है जिसे एक्टिंग का क्रैश कोर्स करना चाहिए? करण जौहर के इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने उनका नाम लिया। करण जौहर की बोलती बंद फिल्म इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने अपने जवाब से कर दी थी। उनसे करण ने पूछा था कि इंडस्ट्री में ऐसी कौन सी ऐसी चीज है जिसे आप बिल्कुल पसंद नहीं करते लेकिन दिखाना पड़ता है कि आप पसंद कर रहे हैं? आमिर ने जवाब में कहा कि, आपका शो। अकसर आपने सोशल मीडिया पर ट्विंकल खन्ना को हाजिर जवाब देते हुए देखा है। ऐसा ही एक उदाहरण करण जौहर के शो में नजर आया था। ट्विंकल खन्ना से करण जौहर ने पूछा था कि, आपके लेखन के बारे में कभी किसी ने कुछ अलग कहा? ट्विंकल ने इसका जवाब डेट हुए कहा कि, जब आपने (करण जौहर) कॉलम लिखना शुरू किया तो किसी ने कहा था कि करण जौहर नई मिसेज फ्लीबोन्स हैं। मैं नहीं चाहती कि मेरा स्टैंर्ड इतना नीचे जाए। दरअसल ट्विंकल खन्ना का अकाउंट ट्विटर पर मिसेज फ्लीबोन्स के नाम से है।

अनन्या पांडे ने फ्लॉन्ट की अपनी कर्वी फिगर, यूजर्स ने ट्रोल करते हुए कहा-ये बताओ फिल्म फेयर अवॉर्ड.....

बॉलीवुड में नेपोटिज्म यानी भाई-भतीजावाद का मुद्दा एक बार फिर से तूल चढ़ता जा रहा है। दरअसल एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के बाद से ही यह मुद्दा एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। आलिया भट्ट, सोनम कपूर और सोनाक्षी सिन्हा के साथ कई स्टारकिड्स पर निशाना एक्टर की मौत के बाद साध रहे हैं। इसी बीच लोगों ने बॉलीवुड की युवा एक्ट्रेस अनन्या पांडे को भी जमकर ट्रोल किया जा रहे हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर हाल ही में कुछ तस्वीरें अनन्या पांडे ने साझा किया है। हालांकि इन तस्वीरों में अनन्या पांडे बहुत ही खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में बेहद खूबसूरत मिडी ड्रेस में अनन्या पांडे में अपना फिगर फ्लॉन्ट नजर आ रही हैं। कुछ लोगों ने अनन्या पांडे की इन फोटोज को खूबसूरत दिख रही हैं। इन तस्वीरों पर कुछ लोगों ने जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने अनन्या पांडे की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए कहा, अरे ये तो बताओ कि फिल्मफेयर अवॉर्ड कितने में खरीदा? मुझे भी चाहिए 4-5'। एक्ट्रेस पर निशाना साधते हुए लोगों ने नेपोटिज्म का प्रोडक्ट तक बोल दिया है। वहीं अन्य यूजर ने लिखा, #नेपोटिज्म नो एक्टिंग स्किल।

बॉलीवुड के अभिनेता चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे है। फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अनन्या पांडे ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म करण जौहर ने निर्देशित किया था और इसमें टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया भी थी। इसके अलावा फिल्म पति, पत्नी और वो में अनन्या पांडे ने काम किया था और इसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर थे। फिल्म स्टूडेंट ऑफ ईयर 2 के लिए अनन्या पांडे को बीते साल बेस्ट डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। सोशल मीडिया पर लगभग 9 लाख से भी ज्यादा लाइक्स अनन्या पांडे की तस्वीरों को मिले हैं। अनन्या पांडे को

शाहरुख खान ने की पत्नी से एक रिक्वेस्ट गौरी खान ने कहा- काम हो रहा है सर

शाहरुख खान और गौरी खान बॉलिवुड के सबसे प्यारे कपल्स में से एक माने जाते हैं। वे जब भी बाहर निकलते हैं, अपनी अपियरेंस से लोगों का दिल जीत लेते हैं। पार्टी हो या फिर सोशल मीडिया पोस्ट्स, शाहरुख और गौरी अक्सर फैंस को कपल गोल्ड्स देते नजर आते हैं। हाल ही में दोनों की सोशल मीडिया पर हुई बातचीत ने लोगों का ध्यान खींचा। गौरी, जो कि मशहूर इंटिरियर डिजाइनर हैं, ने इंस्टाग्राम हैंडल परसीलिंग्स की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि घर की सीलिंग्स भी कितनी महत्वपूर्ण होती हैं। जैसे ही उन्होंने पिक्चर्स शेयर कीं, शाहरुख ने भी उस पर कॉमेंट किसा। कॉमेंट में ऐक्टर ने अपनी पत्नी से रिक्वेस्ट की कि वह उनके ऑफिस रूम की सीलिंग्स पर भी काम करें क्योंकि वह चाहते हैं कि लॉकडाउन के बाद वह फिर से काम शुरू करें तो ऑफिस अच्छा लगे। शाहरुख ने लिखा, क्या आप मेरे रेड चिलीज के ऑफिस रूम नई सीलिंग के साथ रीफर्बिश कर सकती हैं प्लीज। काम फिर से शुरू हो, उससे पहले मैं कुछ अच्छा चाहता हूं। इस पर गौरी ने रिप्लाई किया, हमारी टीम इस पर काम कर रही हैं सर। अब दोनों की यह बातचीत इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत रही है। फैंस इस पर लव रिऐक्ट कर रहे हैं। बता दें, कपल ने लॉकडाउन के दौरान अपना काफी समय बच्चों के साथ घर पर बिताया।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।